



गोंय विद्यापीठ

ताळगांव पठार

गोंय - ४०३ २०६

फोन: +९१-८६६९६०९०४८



(Accredited by NAAC)

Goa University

Taleigao Plateau, Goa - 403 206

Tel : +91-8669609048

Email : registrar@unigoa.ac.in

Website: www.unigoa.ac.in

GU/Acad –PG/BoS -NEP/2023/81/1

Date:26.05.2023

Ref: GU/Acad –PG/BoS -NEP/2022/339/16 dated 18.08.2022

CIRCULAR

In supersession to the above referred Circular, the updated approved Syllabus with revised Course Codes of the **Master of Arts in Konkani** Programme is enclosed.

The Dean/ Vice-Deans of the Shenoi Goembab School of Languages and Literature/ Principals of Affiliated Colleges offering the **Master of Arts in Konkani** Programme are requested to take note of the above and bring the contents of the Circular to the notice of all concerned.

(Ashwin Lawande)

Assistant Registrar – Academic-PG

To,

1. The Dean, Shenoi Goembab School of Languages and Literature, Goa University.
2. The Vice-Deans, Shenoi Goembab School of Languages and Literature, Goa University.
3. The Principals of Affiliated Colleges offering the Master in Arts in Konkani Programme.

Copy to:

1. The Chairperson, Board of Studies in Konkani
2. The Programme Director, MA Konkani, Goa University.
3. The Controller of Examinations, Goa University.
4. The Assistant Registrar, PG Examinations, Goa University.
5. Directorate of Internal Quality Assurance, Goa University for uploading the Syllabus on the University website.

Goa University
M. A. Programme in Konkani (Part : I Courses)

Discipline Specific Core Course (DSCC)
Semester I

| Sr. No | Paper Code | Name of the Paper | No. of Credits |
|---------------|-------------------------|---|-----------------------|
| 1 | KON-500 | वेंचीक पोरण्या कोंकणी साहित्याचो अभ्यास (16 वो आनी 17वो शेंकडो)(A Study of Selected Old Konkani Literature) 16 th - 17 th century) | 4 |
| 2 | KON-501 | कोंकणी लोकनाट्यां : स्वरूप आनी अभ्यास (Konkani Folk Dramas : Form and Study) | 4 |
| 3 | KON-502 | कोंकणी प्रमाण-लेखन, टंकलेखन आनी मुद्रीत शोधन कौशल्यां (Formal Writings, Typing & Proof Reading skills in Konkani) | 4 |
| 4 | KON-503 | आधुनीक कोंकणी कवितेंतले प्रयोग आनी प्रवाह (Experiments and Trends in Modern Konkani Poetry) | 4 |

Discipline Specific Core Course (DSCC)
Semester II

| Sr. No | Paper Code | Name of the Paper | No. of Credits |
|---------------|-------------------------|--|-----------------------|
| 1. | KON-504 | कोंकणीचो भासविज्ञानीक अभ्यास (Linguistic Study of Konkani) | 4 |
| 2. | KON-505 | कोंकणी भाशीक चळवळ (Konkani Language Movement) | 4 |
| 3. | KON-506 | शणै गोंयबाब हांचे वेंचीक बरपावळीचो अभ्यास (Study of Selected Writings of Shenoi Goembab) | 4 |
| 4 | KON-507 | कोंकणी कादंबऱ्यांचो खाशेलो अभ्यास (Special Study of Konkani Novels) | 4 |

Discipline Specific Core Courses (DSCC)

Programme : M. A. (Konkani)

Course code: KON - 500

Title of the Course : **वेंचीक पोरण्या कोंकणी साहित्याचो अभ्यास (16 वो आनी 17वो शेंकडो)**

(A Study of Selected Old Konkani Literature (16th - 17th century))

Number of Credits : 04

Effective From AY: 2022-23

| | | |
|--------------------------------------|---|------------------------|
| Prerequisites for the Course: | कोंकणी भास आनी साहित्याच्या इतिहासा संदर्भातलें मुळावें गिन्यान आसचें, जाका लागून हो विशय बरे तरेन शिकूंक आदार जातलो. | |
| Objective | <ol style="list-style-type: none">1. सोळाव्या आनी सतराव्या शेंकड्यांत बरयिल्लें कोंकणी साहित्य हो ह्या विशयाचो आवांठ.2. हेर भारतीय भासांचे तुळेंत कोंकणी साहित्याचो आरंभ केन्ना जालो ह्या मुद्द्याचो अभ्यास. | |
| | | वरां |
| Content: | <ol style="list-style-type: none">1. सोळाव्या शेंकड्यांतल्या कोंकणी रामायण आनी महाभारताचो अभ्यास : अ. कोंकणी रामायण आनी कोंकणी महाभारत हांचो भाशेचे आनी साहित्याचे नदरेन अभ्यास. आ. <i>सोळाव्या शेंकड्या आदलें कोंकणी रामायण</i> लिप्यांतर आनी संपादन : प्रो. ऑलिव्हिन्यु गोमिश इ. <i>सोळाव्या शेंकड्यांतलें कोंकणी महाभारत : आदिपर्व</i>, संपादन : फा. प्रताप नायक2. सतराव्या शेंकड्यांतल्या वेंचीक साहित्याचो अभ्यास अ. सांतु आंतोनीचीं अचर्या – पाद्री आंतोनियु द साल्दान्य आ. वनवाळ्यांचो मळो – पाद्री मिगेल द आल्मैद3. सतराव्या शेंकड्यांतल्या हेर साहित्याची वळख अ. फा. थॉमस स्टीवन्स, पाद्री दियोगु रिबैरू, गाशपार द सां मिगेल आनी फ्रेय आमदोर द सांताआन हांच्या योगदानाची वळख. आ. सोळाव्या आनी सतराव्या शेंकड्यांतल्या हेर छापणावळीची वळख | 26 26 08 |
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy | व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठ आदी. | |
| References/ readings | <ol style="list-style-type: none">1. गोमिश, ऑलिव्हिन्यु. <i>कोंकणी सरस्पतिचो इतिहास</i> (एक सुपुल्लो नियाळ), चांदर, गोंय : कोंकणी सरस्पत प्रकाशन, 1989.2. प्रभुदेसाई, वि. बा. <i>सतराव्या शतकातील गोमंतकी बोली</i>, मुंबय : मुंबई विश्वविद्यालय, 1963.3. प्रियोळकर अ.का. संपा. <i>सांतु आंतोनीचीं अचर्या</i>, मराठी संशोधन मंडळ, मुंबई. 19634. परैर, जुझे. <i>संपा. कोंकणी मंदाकिनी</i>, गोवा कोंकणी अकादेमी, पणजी | |

| | | |
|--------------------------|--|--|
| | <p>गोंय. 1996</p> <p>5. गोमिश ऑलिक्विन्सु. <i>कोंकणी मानसगंगोत्री</i>, चांदर, गोंय : कोंकणी सरस्पत प्रकाशन, 2000.</p> <p>6. Sardesai, Manoharrai. <i>A History of Konkani Literature</i>, New Delhi, Sahitya Akademi, 2000.</p> <p>7. Fr. Pereira, Antonio. <i>Makers of Konkani Literature Baga Goa</i> Antonio Pereira, 1982.</p> <p>8. <i>Old Konkani Language and Literature- The Portuguese Role:</i> O.J. F. Gomes, Konkani Sorospot Prokashon, Chandor, Goa, 1996</p> | |
| Learning outcomes | कोंकणींतल्या पोरण्या भाशीक स्वरुपाची आनी साहित्याची पुराय वळख विद्यार्थ्यांक जाता | |

Programme: M.A. (Konkani)

Course code: KON - 501

Title of the Course: **कोंकणी लोकनाट्यां : स्वरूप आनी अभ्यास**

(Konkani Folk Dramas : Form and Study)

Number of Credits: 04

Effective from AY: 2022 – 2023

| | | |
|---------------------------------------|---|--|
| Prerequisites for the course : | कोंकणी लोकवेदांतल्या लोकनाट्याचें गिन्यान आसप गरजेचें. | |
| Objectives : | कोंकणी लोकनाट्यांचो खोलायेन अभ्यास जावचो. | वरां |
| Content : | <ol style="list-style-type: none">1. लोकनाट्य : व्याख्या आनी संकल्पना2. लोकनाट्यांचें प्रकार आनी खाशेलेंपण3. लोकनाट्याचें म्हत्व4. वेंचीक कोंकणी लोकनाट्यां :<ol style="list-style-type: none">अ. रणमालें : (सोंग, धोंग, रंगवण, भेसवण, सादरीकरण, जत, लोकवाद्यां)आ. जागर : (सवंग, रंगवण, भेसवण, सादरीकरण, गितां, लोकवाद्यां)इ. खेळ : (सवंग, रंगवण, भेसवण, सादरीकरण, गितां, लोकवाद्यां)ई. कालो : (सवंग, रंगवण, भेसवण, सादरीकरण, गितां, लोकवाद्यां)5. चारूय लोकनाट्यांचें प्रत्यक्ष दर्शन वा चित्रिफिती दाखोवप. | 06 08 04 09 09 09 09 06 |
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy : | व्याख्यान, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठ, कार्यशाळा, प्रात्याक्षिकां, गटचर्चा. | |
| References / Readings : | <ol style="list-style-type: none">1. नायक, जयंती. <i>लोकबींब</i>, पर्वरी गोंय : गोवा कोंकणी अकादेमी, 1998.2. नायक, जयंती. <i>लोकमंथन</i>, आमोणें, केपें, गोंय- 403706 : राजार्ड प्रकाशन, 2008.3. नायक, जयंती. <i>लोकरंग</i>, आमोणें, केपें, गोंय-403706 : राजार्ड प्रकाशन, 2008.4. पर्येकार, प्रकाश. <i>रणमालें</i>, राजेंद्र केरकार (संपा), म्हादई – सत्तरी तालुका विशेषांक, 1995-96, वाळपई गोवा : ग्रामीण विकास शिक्षण संस्था, 1996.5. गांवकार, झिलू. <i>रणमालें : स्वरूप आनी दर्शन</i>, पणजी, गोंय : राजभाशा संचालनालय, गोंय सरकार, जुंता हाऊस, 5 वो माळो, पयली लिफ्ट, 2016.6. खेडेकार, विनायक. <i>लोकसरिता- गोमंतकीय जनजीवनाचा समग्र अभ्यास</i>, कांपाल पणजी, गोवा- 403001: गोवा कला अकादेमी, 1993.7. वेरेंकार, श्याम. <i>गोमंतकीय दशावतारी काला</i>, संस्कृती भवन, | |

| | | |
|----------------------|---|--|
| | पाटो, पणजी, गोवा : कला व संस्कृती संचालनालय, 2013. | |
| Suggestions : | <ol style="list-style-type: none">1. लोकनाट्याच्या प्रत्यक्ष सादरीकरणाच्या थळार अभ्यास भोंवणी करची.2. लोकवेद अभ्यासकाचो तशेंच कलाकाराचो आदार घेवन व्याख्यान आयोजन करप. | |

Programme : M. A. (Konkani)

Course code : KON - 502

Title of the course : **कोंकणी प्रमाण-लेखन, टंकलेखन आनी मुद्रीत शोधन कौशल्यां**
(Formal Writings, Typing & Proof Reading skills in Konkani)

Number of Credits : 04

Effective From AY: 2022-23

| | | |
|-------------------------------|---|------------------------|
| Prerequisites for the Course: | कोंकणी भाशेचें तशेंच देवनागरी लिपयेचें गिन्यान आसचें. कोंकणी भाशेचें व्याकरणीक गिन्यान आसचें. | |
| Objective | 1. देवनागरी लिपयेंतल्यान टंक लेखन करपाक येवचें . 2. कोंकणींत मुद्रीत शोधन करपाक कळचें. 3. कोंकणी व्याकरणाची आनी प्रमाण-लेखनाच्या नेमांची वळख जातली. | |
| | | वरां |
| Content: | अ. कोंकणी प्रमाण-लेखन 1. देवनागरी वर्णमाळेंतलीं अक्षरां बरोवपाची रीत 2. कोंकणी व्याकरणाचे मुळावे नेम 3. कोंकणी प्रमाण-लेखनाचे नेम 4. अनुस्वराची गरज आनी ताचें म्हत्व आ. कोंकणी टंकलेखन 1. देवनागरी लिपयेची वळख 2. देवनागरींतलीं सॉफ्टवेअर साधनां 3. देवनागरी लिपयेंतल्यान टंक लेखनाचें प्रत्यक्ष शिक्षण 4. हस्तलिखित रुपांतल्या 2000 उतरांच्या बरपाट्यांचें टंक लेखन इ. मुद्रीत शोधन : 1. मुद्रीत शोधनाच्यो कुरवो 2. कोंकणी प्रमाण-लेखनाचे नेम 3. हस्तलिखित रुपांतल्या वा टंक लिखित रुपांतल्या बरपाट्यांचें मुद्रीत शोधन (2000 उतरांचो बरपाटो) | 20 20 20 |
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy | व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठ, गटचर्चा. | |
| References/readings | संदर्भ साहित्य 1. भावे, भूषण. संपा. आनी हेर. कारबारी कोंकणी, पणजी गोंय: राजहंस वितरण, 2013. 2. भावे, भूषण. संपा. आनी हेर. कोंकणी शुद्धलेखनाचें नेम, पणजी गोंय: गोवा कोंकणी अकादेमी, 2015. 3. बोरकार, सुरेश, ज. कोंकणी व्याकरण, मडगांव गोंय: कोंकणी भाशा मंडळ, 2015. 4. Mallhi, N. Practical, Proof reading Chandigarh Khalsa Publishers, 1998. | |

| | | |
|-------------------|--|--|
| | <p>5. गोवा कोंकणी अकादेमी. कोंकणी शुध्दलेखनाचे नेम. पणजी: गोवा कोंकणी अकादेमी.2016</p> <p>6. गोंयबाब, शणै. कोंकणीची व्याकरणीक बांदावळ. पणजी: गोवा कोंकणी अकादेमी.</p> <p>7. Katre, S.M. The Formation of Konkani. Poona: Deccan College of Post Graduate and Research Institute. 1996.</p> <p>8. Chavan, V.P., The Konkani and the Konkani Language. New Delhi: Asian Education Services.1995.</p> | |
| Learning outcomes | <p>विद्यार्थ्यांक देवनागरी लिपयेंतल्यान टंकलेखन तशेंच कोंकणींतल्यान मुद्रित शोधन करपाची कला आत्मसात जावन रोजगारा खातीर उपेग जाता.</p> <p>कोंकणी व्याकरणाच्या आनी शुध्दलेखनाच्या नेमां प्रमाण विद्यार्थ्यांक कोंकणी बरोवंक येता.</p> | |

Programme : M. A (Konkani)

Course code : KON - 503

Title of the Course: आधुनीक कोंकणी कवितेंतले प्रयोग आनी प्रवाह

(Experiments and Trends in Modern Konkani Poetry)

Number of Credits : 04

Effective From AY: 2022-23

| | | |
|-------------------------------|---|------|
| Prerequisites for the Course: | कोंकणी कवितेच्या इतिहासाचें गिन्यान आसचें. | |
| Objective | 1960 उपरांतच्या कोंकणी कवितेंतले प्रयोग आनी प्रवाह अभ्यासप. | |
| | | वरां |
| Content: | 1. कवितेंतल्या प्रयोग आनी प्रवाहा विशींचे सिद्धांत | 10 |
| | 2. कोंकणी कवितेंतले प्रयोग अ. रुपकात्मक कविता आ. संवादरुपी कविता इ. पत्ररुपी कविता ई. दीर्घ कविता उ. अल्पाक्षरी कविता | 20 |
| | 3. कोंकणी कवितेंतले प्रवाह अ. गेय कविता आ. आत्मसोदात्मक कविता इ. हास्य कविता ई. स्त्रीकेंद्रींत कविता उ. समानसुत्री काव्यमालिका ऊ. विद्रोहीस्वरयुक्त कविता ऋ. आधुनिकीकरणाच्यो कविता लृ. ग्रामीण कविता | 20 |
| | 4. प्रयोग आनी प्रवाहांचे नदरेन वेंचीक कोंकणी कविता झेल्यांचो अभ्यास. (सावुलगोरी, किसरां, मोगकिनारी, विस्तव) | 10 |
| | वट्ट | 60 |
| References/ readings | 1. पवार, राजय. कोंकणी कवितेंतलें गोंयचें समाजदर्शन, गोंय विद्यापीठ, पी. एच. डी. खातीर प्रबंध, 2011. 2. पवार, राजय. कोंकणी कवितेचो इतिहास, , गोंय:सानिका प्रोडक्शन, बोरी-फोंडें 2014 3. तेंडुलकर एस. डी. वालोर, राजहंस वितरण. पणजी- गोंय, 1998. 4. बुडकुले, किरण. अक्षर सरिताबिम्ब प्रकाशन. आगशी- गोंय 2009. 5. देशपांडे, बालशंकर. काव्य : विवेचन आणि विश्लेषण, श्रीवत्स प्रकाशन, नागपूर, 2002. 6. रसाळ, सुधीर. कविता आणि प्रतिमा, मौज प्रकाशन. मुंबई 1982. | |

| | | |
|-------------------|--|--|
| | मथुरे, सरेश. हायकू: एक अवलोकन, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई 2000. | |
| Pedagogy | व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठ, आदी. | |
| Learning outcomes | आधुनीक कोंकणी कवितेचो इतिहास अभ्यासून तातुंतल्या तरेकवार प्रयोग आनी प्रवाहांची वळख घडटा. | |

Programme: M.A. (Konkani)

Course Code: KON - 504

Number of Credits: 04

Title of the Course: **कोंकणीचो भासविज्ञानीक अभ्यास**

(Linguistic Study of Konkani)

Effective from AY: 2022-23

| | | |
|-------------------------------|---|-------------|
| Prerequisites for the course: | विद्यार्थ्यांक मौखीक कोंकणीचें गिन्यान आसचें. | |
| Objective: | 1. विद्यार्थ्यांक भासविज्ञानाची मुळावी वळख जावची आनी कोंकणीचो भासविज्ञानीक अभ्यास करपाची नदर मेळची. 2. कोंकणी भासविज्ञानीक मळा वयल्या आदल्या वावराची पडटाळणी, भाशीक/बोलयांच्या खाशेलेपणांची पुनर्मांडणी. | |
| | | वरां |
| Content: | 1. भास आनी भासविज्ञान - भास म्हणल्यार कितें? भाशेचीं मुळावीं खाशेलेपणां. - भासविज्ञान म्हणल्यार कितें? भासविज्ञान आनी पारंपरीक व्याकरण. - भासविज्ञानाच्या आर्विल्ल्या इतिहासाची उडटी वळख, भासविज्ञानाचो वापर. | 10 |
| | 2. भासविज्ञानाचीं मुखेल आंगां स्वनविज्ञान 'नाद' आनी 'स्वन', स्वन निर्मणेची प्रक्रिया; स्वर आनी व्यंजन: उच्चारण आनी वर्णन; अक्षर. अर्थविज्ञान अर्थ म्हणल्यार कितें? अर्थाच्यो सात तरा; उतरां भितरलीं नातीं; घटक विस्कटावणी. व्याकरण-विचार - <u>स्वनीम-विचार</u> (स्वनीम, स्वन, वांगडी-स्वन) - <u>पद-विचार</u> (रूपीम, रुपिका, वांगडी-रुपिका; उतर घडणुकेच्यो प्रक्रिया) (Inflection आनी Derivation); उतराचे बांदावळीक धरून भासांचें वर्गीकरण - <u>वाक्य-विचार</u> (कोंकणी वाक्यांत उतरांचो सभावीक क्रम: कोंकणी SOV भास; क्रियापद नाशिल्लीं वाक्यां) | 30 |
| | 3. भासविज्ञानाचे हेर फांटे – उडटी नदर इतिहासीक भासविज्ञान (भास-बदल); समाजभासविज्ञान (समाजभासविज्ञान आनी भाशेचें समाजशास्त्र); मनोविज्ञान; मानसभासविज्ञान; बोलीविज्ञान; कॅम्प्युटर भासविज्ञान; अणकारविज्ञान, बी. | 08 |
| | 4. कांय भासविज्ञानीक मुद्द्यांची विस्कटावणी 'व्यक्ती-बोली', 'आवय-भास', 'भाशीक-समाज'; भास आनी लिपी; भाशे-कूळ (कोंकणीचें भाशे कूळ); भाशीक वाठार | 08 |
| | 5. International Phonetic Alphabets (IPA) आयकप आनी सराव | 04 |

| | | |
|--------------------|---|----|
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy | व्याख्यानं/tutorials/lab sessions/e-sources/स्वाध्याय/सादरीकरण | |
| References/Reading | <ol style="list-style-type: none"> 1. सरदेसाय, माधवी. भासाभास. प्रियोळ: जाग प्रकाशन, १९९३. 2. गांवकार, भालचंद्र. भाशाविज्ञान. फोंडें, गोंय: मित्र प्रकाशन, १९९३. 3. वेरेंकार, श्याम आनी हेर. (संपा.) कोंकणी भास, साहित्य आनी संस्कृताय. विद्यानगर, मडगांव. 403601.: कोंकणी भाशा मंडळ, मार्च 2003. (लेख: १, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, १२, १३, १४) 4. गोंयबाब, शणै. कोंकणीची व्याकरणी बांदावळ – मुंबय: गोमंतक छापखानो, १९४९. 5. Katre, S.M. <i>The Formation of Konkani</i>. Deccan College, 1966. 6. Almeida, Mathew. <i>A Description of Konkani</i>. T.S.K.K., 1989. 7. Robins, R.H. <i>General Linguistics: An Introductory Survey</i>. Longman (1964) 1980. 8. गोविलकर, लीला. <i>वर्णनात्मक भाषाविज्ञान</i>. पुणे: आरती प्रकाशन, 1992. 9. मालशे, मिलिंद. <i>आधुनिक भाषाविज्ञान: सिध्दांत आणि उपयोजन</i>, लोकवांडमय गृह, १९९५. 10. तिवारी, भोलानाथ. <i>भाषाविज्ञान</i>, किताब महल, (१९५१) १९९१. 11. सिंह, तिलक. <i>नविन भाषाविज्ञान</i>, नई दिल्ली: प्रकाशन संस्थान, १९८५. | |
| Learning Outcomes: | <ol style="list-style-type: none"> 1. कोंकणी भाशेंतलीं स्वनिमां, रुपिमां, वाक्याचे घटक हांचे विशीं विद्यार्थांक गिन्यान मेळटा. 2. कोंकणी भासविज्ञानीक मळा वयल्या संशोधन सुवातींची जाण जाता; भासविज्ञानीक मळार वावर करपाची उत्सुकताय निर्माण जाता. | |

Programme : M. A. (Konkani)

Course code : KON - 505

Title of the course : **कोंकणी भाशीक चळवळ**

(Konkani Language Movement)

Number of Credits : 04

Effective From AY: 2022-23

| | | |
|-------------------------------|---|---------------------------------------|
| Prerequisites for the Course: | कोंकणी भाशीक चळवळीच्या इतिहासाची जाण आसची | |
| Objective | कोंकणी भाशे खातीर चळवळ केन्ना आनी कित्याक सुरू जाली हे चळवळींतल्यो मुखेल घडणुको खंयच्यो आनी चळवळींतल्यान कोंकणी भाशी समाजान कितें साध्य केलें हाचो अभ्यास हो ह्या विशयाचो आंवाठ | |
| | | वरां |
| Content: | <ol style="list-style-type: none">चळवळीचो आरंभ शणै गोंयबाबाचे कोंकणी चळवळींतले भाशीक , साहित्यीक आनी संशोधनात्मक योगदान.कोंकणी परिशदेचें योगदान अ. 1939 वर्सा कारवारांत पयली कोंकणी परिशद आ. कोंकणी समाज संघटनाचो वावर इ. महाराष्ट्र, गोंय, केरळ, आनी कर्नाटक ह्या राज्यांनी कोंकणी परिशदेचो प्रभाव ई. कोंकणी भाशेक साबार मान्यतायो मेळोवन दिवपांतलें योगदानकोंकणी चळवळीक ओपीनियन पोलाचें योगदान भाशीक समाजीक आनी राजकी नदरेन मांडिल्ले मुद्देसाहित्य अकादेमीची मान्यताय अ. कोंकणीक स्वतंत्र्य साहित्यीक भास म्हूण मान्यताय. आ. साहित्याच्या मळार कोंकणी भाशेक आनी कोंकणी बरोवप्यांक संदीराज्यभास चळवळ अ. 'कोंकणी प्रजेचो आवाज' हे संघटणेचो वावर आ. गोंय सरकाराचो राजभास कायदो इ. गोंयांक घटक राज्याचो दर्जो ई. संविधानाचे आठवे अनुसुचींत कोंकणीचो आसपावसमकालीन भाशीक चळवळ कोंकणीचे उदरगतीची समकालीन चळवळ वेगवेगळ्या मळांचेर कशे तरेन चलता हाचो नियाळ घेवचो. | 10 10 10 10 10 1 10 |

| | | |
|-------------------------|--|-----------|
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy | व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठ आदी. | |
| References/ readings | <p>संदर्भ साहित्य</p> <ol style="list-style-type: none"> वर्दे वलावलीकार, शांताराम . संपा. <i>समग्र शणै गोंयबाबखंड 1,2,3,4</i>, पणजी गोंय: गोवा कोंकणी अकादेमी, आनी इन्स्टीट्यूट मिनेझीस ब्रागांझा अनुक्रमान (2003, 2003, 2006, 2006) काणेकार, सदानंद. <i>ओपिनीयन पोल</i>, मडगांव गोंय: मार्ग ट्रस्ट, दुसरी आवृत्ती. 2018. हनुमंत चोपडेकार. कोंकणी राजभास चळवळ एक समाजभासविज्ञानीक मुल्ल्यांकन, गोंय विद्यापीठांत पी. एच डी. खातीर प्रबंध. Narayan, Rajan. D'crouz, Sheron. <i>Triumph of secularism Goa</i> Publication Privet ltd. Vasco De Gama 2011 Sardesai, Manoharrai. <i>history of Konkani language & literature</i>, New Delhi : sahitya academi 2000. केळेकार, रवीन्द्र. <i>भाशीक संघशांचे समाजशास्त्र</i>, राजहंस वितरण पणजी गोंय. 2008 कुलकर्णी, सु. बा. <i>कोंकणी भाषा प्रकृती आणि परंपरा</i>, पणजी गोवा: गोवा कोंकणी अकादेम, . 2007 | |
| Learning outcomes | कोंकणी भाशीक चळवळीच्या इतिहासाची जाण जाता | |

Programme : M. A. (Konkani)

Course code : KON - 506

Title of the course: **शणै गोंयबाब हांचे वेंचीक बरपावळीचो अभ्यास**

(Study of Selected Writings of Sheno Goembab)

Number of Credits : 04

Effective From AY: 2022-23

| | | |
|--------------------------------------|---|-------------|
| Prerequisites for the Course: | आधुनीक कोंकणी साहित्याचे जनक शणै गोंयबाब हांची थोडे भितर वळख आसची. | |
| Objective | शणै गोंयबाब हांच्या मौलीक, अणकारीत, रुपांतरीत, संशोधनात्मक बरपावळींचो अभ्यास जावचो. | |
| | | वरां |
| Content: | 1. जिवीत आनी वावर शणै गोंयबाब हांचें जिवीत, तांचे चलणुकेंत दिसून आयिल्ले गूण आनी तांचो साहित्यीक वावर. | 02 |
| | 2. कोंकणी भाशेचें खाशेलेंपण आनी महत्व सांगपी बरपावळ अ. कोंकणी भाशेचें जैत आ. येवकार अध्यक्षालें उलोवप इ. कोंकणिची व्याकरणी बांदावळ | 14 |
| | 3. मौलीक साहित्याची वळख अ. रवळूचो रवळेराव आनी गोंयकाराचो मुंबयकार आ. गोमन्तोपनिषत (खंड 1) इ. गोमन्तोपनिषत (खंड 2) | 18 |
| | 4. अणकारीत आनी रुपांतरीत साहित्याची वळख अ. झिलबा राणो आ. मोगाचें लग्न इ. श्रीभगवंतालें गीत | 13 |
| | 5. इतिहास आनी चरित्रात्मक साहित्याची वळख अ. गोंयकारांची गोंयांभायली वसणूक आ. आबे फारीय | 13 |
| | पुरवणी वाचन : शणै गोंयबाबाची हेर बरपावळ | |
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy | व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठ आदी. | |
| References/ readings | 1. वर्दे वलावलीकार, शांताराम. (संपा.) <i>समग्र शणै गोंयबाब खंड 1,2,3,4</i> , पणजी-गोंय, गोवा कोंकणी अकादेमी, आनी इन्स्टीट्यूट मिनेझीस ब्रागांझा. अनुक्रमान (2003, 2003, 2006, 2006) 2. नायक, रा.ना. <i>शणै गोंयबाब</i> , नवी दिल्ली, साहित्य अकादेमी.1980. 3. वर्दे वलावलीकार, शांताराम. संपा. <i>वज्रलिखणी</i> कोंकणी भाशा | |

| | | |
|--------------------------|--|--|
| | <p>मंडळ, मडगांव - गोंय. 1977.</p> <p>4. आमोणकार, शांताराम. <i>उगडासाचे कोठये कुडींत</i> प्रियोळ-गोंय, जाग प्रकाशन. 2005.</p> <p>5. नायक, भिकू बोमी. संपा. <i>युगपुरूष शणै गोंयबाब: एक परिचर्चा</i>, मार्सेल -गोंय, जैत प्रकाशन :2005.</p> <p>6. देसाय, गुणाजी. <i>शणै गोंयबाबंलें कोंकणी साहित्य आनी सामाजीक चेतना</i>, गोंय विद्यापीठ पी.एच. डी खातीर प्रबंध. 2008.</p> | |
| Learning outcomes | आधुनीक कोंकणी साहित्य आनी भाशीक चळवळ हांचें मुळावण घालपी युगपुरसाची वळख घडटा. | |

Programme: M.A. (Konkani)

Course Code : KON - 507

Title of the Course : कोंकणी कादंबऱ्यांचो खाशेलो अभ्यास
(Special Study of Konkani Novels)

Number of Credits : 04

Effective From AY : 2022-23

| | | |
|--------------------------------|--|--|
| Prerequisites for the Course : | कादंबरी ह्या साहित्य प्रकाराचें वाचन केल्लें आसचें तशेंच कोंकणी कादंबऱ्यां विशीं मुळावें गिन्यान आसचें. | |
| Objectives : | <ol style="list-style-type: none">कोंकणी कादंबरी साहित्य प्रकारांची विशय विविधताय कळची.कोंकणी कादंबऱेंतले वेगळे वेगळे प्रवाह कळचे.वेंचीक कादंबऱ्यांचो खोलायेन अभ्यास जावचो.हेर भारतीय भासांतली कादंबरी आनी कोंकणी कादंबरी असो तुळात्मक अभ्यास जावचो. | |
| | | वरां |
| Content: | <ol style="list-style-type: none">कोंकणी कादंबरी लेखनाची संक्षिप्त वळख: अ. नवलिका आ. कादंबरीकोंकणी कादंबरी लेखनाचें विशय स्वरूप : अ. ग्रामीण समाजवेवस्था आ. मध्यमवर्गियांचे प्रस्न इ. स्त्री जिवन ई. नव्यो जाणिवोकोंकणी कादंबऱेंत चित्रायल्ल्यो मुखेल व्यक्तीरेखाकोंकणी कादंबऱेंतली भास : अ. लेखन शैली आ. बोली भाशेचो वापरकोंकणी कादंबरी आनी मुखावेलीं आव्हानां : अ. लेखक आ. अभ्यासक इ. प्रकाशककोंकणी कादंबरी आनी हेर भारतीय भासांतली कादंबरी (विशय आनी आशयाचे नदरेंतल्यान) | 06 14 12 12 08 08 |
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy | व्याख्यान, गट चर्चा, स्वाध्याय, स्वअध्याय | |
| References/Readings | <ol style="list-style-type: none">तेंडुलकार, एस डी. <i>वालो</i>, 1- मीनाक्षी बिल्डिंग. डॉ. व्होल्फांगु द सिल्ह मार्ग, पणजी – 403 001 : राजहंस वितरण, 1998. | |

| | | |
|-------------------|--|--|
| | <ol style="list-style-type: none"> 2. नागवेंकार, हरिश्चंद्र. <i>आस्वादन</i>. मुरमुटी, पोन्नो बाजार मडगांव : गोंयकार प्रकाशन, 1987. 3. बुडकुले, किरण. <i>अक्षर सरिता</i>. 'धर्म-लक्ष्मी', सांत लॉरेन्स, आगशी, गोंय - 403 204 : बिम्ब प्रकाशन, जुलय 2009. 4. बुडकुले, किरण. <i>शतकान्तिका</i>. 'धर्म-लक्ष्मी', सांत लॉरेन्स, आगशी, गोंय - 403 204 : बिम्ब प्रकाशन, जुलय 2009. 5. वजरीकार, प्रकाश रमाकांत. <i>वज्रघात</i>. वजरी सांखळी, गोंय - 403 505 : प्राची प्रकाशन, जून 2010. 6. कुलकर्णी, मदन. <i>मराठी प्रादेशीक कादंबरी : तंत्र आणि स्वरूप</i>. रामदासपेठ, नागपूर : श्रीमंगेश प्रकाशन, 1984. 7. ढेरे, अरुणा. (संपा.) <i>स्त्री-लिखित मराठी कादंबरी</i> (1950 - 2110), 1966, तारा - भुवन, माडीवाले कॉलनी, सदाशीव पेठ, पुणे - 411 030 : पद्मगंधा प्रकाशन, मार्च 2013. 8. ठाकूर, रवींद्र. <i>मराठी ग्रामीण कादंबरी</i>. सदाशीव पेठ, पुणे : मेहता पब्लिशिंग हाऊस, नोव्हेंबर 1993. 9. थोरात, हरिश्चंद्र. <i>कादंबरीविषयी</i> - . एरंडवन, पुणे : पद्मगंधा प्रकाशन, (प. आ. 2006), दु. आ. 2008. 10. देशपांडे, बालशंकर. <i>कादंबरी : विवेचन आणि विश्लेषण</i>. सदाशिव पेठ, पुणे : स्नेहवर्धन पब्लिशिंग हाऊस, 1998. 11. बांदिवडेकर, चंद्रकांत. <i>मराठी कादंबरी : चिंतन आणि समीक्षा</i>. 216, सदाशिव पेठ, पुणे : मेहता पब्लिशिंग हाऊस, (प्रथमावृत्ती, मार्च 1983) द्विदिव्यावृत्ती ऑक्टोबर, 1996. 12. मणगुतकर, अशोक दत्तात्रय. <i>सुभाष भण्डे यांच्या कादंबऱ्या</i>. आलत पर्वरी, बार्देश गोवा : गोमंतक मराठी अकादमी, मार्च 2009. 13. पर्येकार, प्रकाश, <i>महाबळेश्वर सैल हांच्या कादंबऱ्यांचें समाजशास्त्रीय अध्ययन</i>, गोंय विद्यापिठांत पी. एच. डी. सादर केल्लो प्रबंध.-2011. | |
| Learning Outcomes | <ol style="list-style-type: none"> 1. कोंकणी कादंबरे संदर्भांत विद्यार्थ्यांक खाशेलें गिन्यान फाव जातलें. 2. कोंकणी कादंबरी साहित्य प्रकारा कडेन पळोवपाची चिकित्सक नदर फाव जातली. | |

Discipline Specific Optional Course (DSOC)
Semester I & II

| Sr. No | Course Code | Name of the Paper | No. of Credits |
|--------|---------------------------|---|----------------|
| 1 | KON - 521 | कोंकणी तियात्राचो अभ्यास | 04 |
| 2 | KON - 522 | कोंकणी लोक काणयांचो अभ्यास | 2 |
| 3 | KON - 523 | कोंकणी साहित्यांतलो पर्यावरणीय विचार | 2 |
| 4 | KON - 524 | आधुनीक कोंकणी लघुकथेंतले प्रयोग आनी प्रवाह | 2 |
| 5 | KON - 525 | कोंकणी बाल साहित्याचो अभ्यास | 2 |
| 6 | KON - 526 | कोंकणींतल्या ग्रामीण साहित्याचो अभ्यास | 4 |
| 7 | KON - 527 | कोंकणी साहित्यांत 'भोवजन' संकल्पना | 4 |
| 8 | KON - 528 | रवीन्द्र केळेकार हांच्या वेंचीक निबंदांचो अभ्यास | 2 |
| 9 | KON - 529 | पुंडलीक नायक हांच्या वेंचीक नाटकांचो अभ्यास | 2 |
| 10 | KON - 530 | तोमाझीन कार्दोज हांच्या वेंचीक तियात्रांचो अभ्यास | 2 |

Programme: M. A. (Konkani)

Course Code: KON – 521

Course Title: कोंकणी तियात्राचो अभ्यास

Number of Credits: 04

Effective from AY: 2022- 2023

| | | |
|--------------------------------|---|--|
| Prerequisites for the Course : | विद्यार्थ्यांक कोंकणी तियात्रांची जाण आसची. | |
| Objectives : | 1. तियात्र साहित्यप्रकाराची वळख जावप 2. तियात्राचें खाशेलपण अभ्यासप 3. तियात्राचो इतिहास नियाळप 4. वेंचीक तियात्रिस्त अभ्यासप | |
| | | वरां |
| Content: | 1. कोंकणी तियात्र 1.1 तियात्राची फाटभूंय 1.2 तियात्राचो जल्म 1.3 तियात्राच्यो व्याख्या 1.4 तियात्राचे घटक 2. तियात्राचें खाशेलपण आनी प्रकार 2.1 तियात्र आनी खेळतियात्र 2.2 तियात्र आनी खेळ 3. तियात्राचो इतिहास 3.1 सुरवातेचो काळ (1892 -1961) 3.2 मदलो काळ (1961 -2000) 3.3 आधुनीक काळ (2000 -2020) 4. वेंचीक तियात्रिस्तांचो अभ्यास 4.1 लुकाझीन रिबेरो 4.2 जुआंव आगुस्तीन फेर्नांडीस 4.3 रेजीना फेर्नांडीस 4.4 एम.बॉयर 4.5 सि.आल्वारीस 4.6 तोमाझीन कार्दोज 4.7 प्रिन्स जॅकब 4.8 रोजफन्स | 14 12 12 22 |
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy | व्याख्यान, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, कार्यशाळा, प्रात्यक्षिकां, घरपाठ, गटचर्चा. | |
| References/Readings | 1. थळी, प्रकाश. <i>तियात्राचो इतिहास</i> 1892 – 1992. पणजी गोवा गोवा : कोंकणी अकादेमी, 1993. 2. वेरेंकर, श्याम., सरदेसाय, माधवी., कमलाकर, | |

| | | |
|-------------------|---|--|
| | <p>म्हाळशी. [संपादक] कोंकणी भास, साहित्य आनी संस्कृताय. मडगांव गोंय : कोंकणी भाशा मंडळ, 2003.</p> <p>3. Cardozo, Felicio. [Editor] <i>Tiatrancho jhelo –II</i></p> <p>4. Panaji Goa: Goa Konkani Academy,1998.</p> <p>5. Fernandes, Andre Rafael. <i>When the curtains rise.understanding Goa vibrant Konkani theatre.</i> Panaji Goa : Tiatr Academy of Goa, 2010.</p> <p>6. Mazarello, Wilmix Wilson. <i>100 years of Konkani Tiatro.</i> Panaji Goa : Directorate of Art & Culture, Government of Goa, 2000.</p> | |
| Learning Outcomes | <p>1.तियात्र साहित्यप्रकाराची वळख जाता.</p> <p>2.तियात्राचें खाशेलपण अभ्यासता.</p> <p>3. तियात्राचो इतिहास नियाळटा.</p> <p>4.वेंचीक तियात्रिस्त अभ्यासता.</p> | |

Programme: M. A. (Konkani)

Course code: KON - 522

Title of the Course: कोंकणी लोक काणयांचो अभ्यास

Number of Credits: 02

Effective from AY: 2022- 2023

| | | |
|--------------------------------|--|----------------------------|
| Prerequisites for the Course : | कोंकणी लोकवेदाचें गिन्यान आसप गरजेचें. | |
| Objectives : | कोंकणी लोक काणयांचो अभ्यास जावंचो. | |
| | | वरां |
| Content: | <ol style="list-style-type: none">1. लोक काणयांची : व्याख्या आनी संकल्पना2. लोक काणयांचो संक्षीप्त इतिहास3. लोक काणयांचे प्रकार:<ol style="list-style-type: none">अ. मिथककाणी वा पुराण काणीब. आख्यायिका वादंतकथाक. कल्पितकाणी4. लोक काणयांचें म्हत्व5. वेंचीक 05 कोंकणी लोक काणयांचो खाशेलो अभ्यास जावंचो. <p>(साहित्यकृती : कोंकणी लोककाणयो- जयंती नायक (संबंदीत पुस्तकांतल्यो पयल्यो पांच काणयो)</p> | 05 05 05 05 10 |
| | वट्ट | 30 |
| Pedagogy | व्याख्यानां, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, कार्यशाळा, प्रात्यक्षिकां, गटचर्चा, लोक काणयो सांगण्या कडेन वार्तालाप. | |
| References/Readings | <ol style="list-style-type: none">1. नायक, जयंती. लोकबींब, पर्वरी गोंय:गोवा कोंकणी अकादेमी, 1998.2. नायक, जयंती. लोकमंथन, आमोणें केपें गोंय : राजाई प्रकाशन, 2008.3. नायक, जयंती. लोकरंग. आमोणें, केपें, गोंय : राजाई प्रकाशन, 2008.4. नायक, जयंती. कोंकणी लोककाणयो, साहित्य अकादेमी, नवी दिल्ली, 2001.5. नायक, जयंती. गांवरान, पाटो पणजी गोंय :गोवा कोंकणी अकादेमी, 2005.6. नायक, जयंती. राजरत्ना, पर्वरी गोंय :गोवा कोंकणीअकादेमी, 2005.7. नायक, जयंती. देशांतरींच्यो लोककथा, भाग-1, आमोणें, केपें, गोंय – 403 705 : राजाई प्रकाशन, 2013.8. फळदेसाय, पांडुरंग. (अणकार) पुर्तुगेज अंमला सकयल्या गोंयच्यो लोककाणयो, आल्तो पर्वरी गोंय : सासाय पब्लिकेशन, 2021.9. म्हाळशी, कमलाकर दत्ताराम. गावन काणी (लोकांकाणयो), श्रीस्थळ, काणकोण, गोंय :ॐ श्री दत्त पद्मजा प्रकाशन, 2004. | |

| | | |
|-------------------|---|--|
| | 10. Gomes, Olivinho J. E. <i>Konkani Folk Tales</i> , India A-5 Green Park, New Delhi: Director, National Book Trust, 2007. | |
| Learning Outcomes | <ol style="list-style-type: none">1. कोंकणी लोक काणयांची वळख जातली.2. कोंकणी लोक काणयांचे वेगळेंपण लक्षांत येतलें. | |

Programme : M. A (Konkani)

Course code : KON - 523

Title of the course : कोंकणी साहित्यांतलो पर्यावरणीय विचार

Number of Credits : 02

Effective From AY: 2022-2023

| | | |
|--------------------------------|---|----------------|
| Prerequisites for the Course : | पर्यावरणाविशीं आस्था आनी ह्या विशया संदर्भांत वाचनाची गरज | |
| Objectives : | <ol style="list-style-type: none">कोंकणीत साहित्यांत पर्यावरण विशया कडेन संबंदीत जल, जमीन, जंगल आनी जनावर ह्या घटकांचो अभ्यास करप.कोंकणी साहित्यांत अभिव्यक्त जाल्ल्या विचारांचें आस्वादन आनी विश्लेशण करप. | |
| | | वरां |
| Content: | <ol style="list-style-type: none">भारतीय साहित्यांत अभिव्यक्त जाल्लो पर्यावरणीय विचारकोंकणी साहित्यांतलें पर्यावरण विशयक लेखनकोंकणी साहित्यांत अभिव्यक्त जाल्ल्या पर्यावरणीय घटकांचें आस्वादन आनी विश्लेशण. | 05 05 20 |
| | वट्ट | 30 |
| Pedagogy | व्याख्यान, स्वाध्याय, गट चर्चा, स्व-अध्ययन, कार्यशाळा. | |
| References/Readings | <ol style="list-style-type: none">नायक, पुंडलीक. <i>अच्छेव, प्रियोळ, म्हाड्डोळ गोंय</i>- 403 404 : जाग प्रकाशन, 1977.वेळुस्कार, रमेश. <i>माती, बेती बार्देस गोंय</i>- 403 101 : कोंकण टायम्स पब्लिकेशन, 1983.नायक, भरत. <i>झाडांच्यो कविता</i>, सी-1, गोल्डन हील व्यु, रेगो नगर, बांबोळी गोंय- 403 202 : नामी प्रकाशन, 2016मणेरकार, दिनेश. <i>रानवळख</i>, श्री मंगेश लक्ष्मी निवास, 39, दत्तवाडी, सांगें गोंय : संजना पब्लिकेशनस, 2002.पर्येकार, प्रकाश. <i>म्हादय : काळजांतल्यान कागदार...</i> पाटो, पणजी गोंय : कला आनी संस्कृती संचालनालय- 2011.पर्येकार, प्रकाश. <i>उदरगत आनी पर्यावरण साहित्यिकांची लागणूक</i> 201-बी, सालदेल अपार्टमेंटस्, रूअ द साउदादिश, पाजीफोंड, मडगांव गोंय, 403 601 : जाग म्हयनाळें, वर्स 33 : आंक 7 : जून 2007. | |
| Learning Outcomes | <ol style="list-style-type: none">पर्यावरण विशयांतल्या साहित्याची आवड निर्माण जातली.पर्यावरणाविशीं आस्था वाडीक लागतली. | |

Programme : M. A. (Konkani)

Course code : KON - 524

Title of the course : आधुनीक कोंकणी लघुकथेंतले प्रयोग आनी प्रवाह

Number of Credits : 02

Effective From AY: 2022-2023

| | | |
|--------------------------------------|--|--|
| Prerequisites for the Course: | कोंकणी कथा साहित्याच्या इतिहासाचें गिन्यान आसचें | |
| Objective | 1960 उपरांतच्या कोंकणी कथेंतले प्रवाह अभ्यासप | |
| | | वरां |
| Content: | <ol style="list-style-type: none">कोंकणी कथेची इतिहासीक फाटभूंयकथेंतले प्रयोग आनी प्रवाहा विशींचे सिद्धांतकोंकणी कथेंतले प्रयोग<ol style="list-style-type: none">मनोविश्लेशणात्मक कथाकाव्यात्मक कथाकोंकणी कथेंतले प्रवाह<ol style="list-style-type: none">ग्रामीण कथानवतंत्र आनी आधुनीक जिणेच्यो कथाबालविश्व चित्रीत कथास्त्री केंद्रीत कथा | 05 05 05 15 |
| | वट्ट | 30 |
| Pedagogy | व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठ, आदी. | |
| References/ readings | <ol style="list-style-type: none">बुडकुले, किरण. <i>अक्षरसरिता</i>. 'धर्म-लक्ष्मी', सांत लॉरेन्स, आगशी, गोंय: बिम्ब प्रकाशन, जुलय 2009.वजरीकार, प्रकाश रमाकांत. <i>वज्रघात</i>. वजरी सांखळी, गोंय: प्राची प्रकाशन, जून 2010.सरदेसाय, लक्ष्मणराव. <i>कथा शिल्प</i>. प्रियोळ म्हाड्डोळ, गोंय: जाग प्रकाशन 1977कोमरपंत, सोमनाथ आनी हेर (संक.) <i>कथावली</i>. पणजी. इन्स्टिट्यूट मिनेझिस ब्रागांझा, मार्च 2000.नायक, पुंडलीक. (सांप.) <i>समकालीन कोंकणी लघुकथा</i>, नॅश्रल बुक ट्रस्ट, नवी-दिल्ली, 1998.वेरेंकार, श्याम आनी हेर. (संपा.) कोंकणी भास, साहित्य आनी संस्कृताय. विद्यनर, मडगांव. 403601: कोंकणी भाशा मंडळ, मार्च 2003.नागवेंकार, हरिश्चंद्र. <i>आस्वादन</i>. मुरमटी, पोत्रो बाजार मडगांव : गोंयकार प्रकाशन, 1987.Budkuley, Kiran. <i>Musings in the Meadows Essays on Goan literature & Culture</i>, Dattawadi Sanguem Goa – 403 704 : Sanjana Publications , 2012.Sardessai, Manoharrai. <i>History of Konkani language & literature</i>, New Delhi : sahitya academi 2000. | |

| | | |
|--------------------------|--|--|
| | 10. कामत, रेश्मा. पीएच. डी. दामोदर मावजो हांच्या कथांचो मानसशास्त्रीय नदरेन अभ्यास. 2018 | |
| Learning outcomes | आधुनीक कोंकणी कथेचो इतिहास अभ्यासून तातुंतल्या तरेकवार प्रयोग आनी प्रवाहांची वळख घडटा. | |

Programme: M.A (Konkani)

Course code: KON - 525

Title of the Course: कोंकणी बाल साहित्याचो अभ्यास

Number of Credits: 02

| | | |
|---------------------------------|--|----------------------------|
| Prerequisites | 1. वाचन आनी बाल साहित्य निर्माण करपाची आवड आसप गरजेचें | |
| Objectives | 2. बाल साहित्य प्रकारांत निर्मणी आनी भर पडपाची गरज. 3. विद्यार्थ्यां कडल्यान बाल साहित्य निर्माण जावपाची गरज आसा. | |
| | | वरां |
| Content | 1. बाल साहित्य स्वरूप आनी संकल्पना 2. कोंकणी बालसाहित्याचो इतिहासीक नियाळ 3. मुखेल कोंकणी बालसाहित्याकांचें योगदान 4. साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार जैतिवंत वेंचीक पुस्तकांचो अभ्यास. (साहित्यकृती : काणी एका सुण्याची – सुधा खरंगटे (काणयो) 5. प्रत्यक्ष बाल साहित्य लेखनाचो सराव | 05 05 05 05 10 |
| | वट्ट | 30 |
| Pedagogy | स्वाध्याय, कार्यशाळा, लेखकांची मुलाखत आनी चर्चासत्रां | |
| References/ Readings | 1. सरोठिया, सुरेश. राणा, संगीता. मासिक <i>शोध पत्रिका</i> . 2016 2. आडारकार, नयना. <i>आमी तीं आमी</i> . कोंकणी भाशा मंडळ. 2017 3. शेळडेकार, विजया. <i>सरस्वतीच्या आंगणांत</i> . मडगांव गोंय. 2019 4. प्रभुदेसाय, विद्या. <i>पंचतंत्र</i> . स्नेह प्रकाशन सावय वेरें. 2009 5. साहित्य अकादमी, नवी दिल्ली. <i>मौखीक परंपरेतील बालगीते</i> . 2004 6. देसाई, नारायण. (संपादीत) त्रैमासिक <i>बालकनीती</i> . फोंडा गोवा. 7. काकोडकार, मीना. <i>भाबडें मन</i> . कोंकणी भाशा मंडळ, मडगांव 2017 8. शेट्टे, हर्षा. <i>बोमाडे</i> . कोंकणी भाशा मंडळ, मडगांव 2017 9. सिंगबाळ, अन्वेषा. <i>दांत</i> . कोंकणी भाशा मंडळ, मडगांव. 2017 10. खरंगटे, माया. <i>किटकिटें</i> . कोंकणी भाशा मंडळ, मडगांव. 2017. 11. म्हांबरे, किरण. <i>कावळ्याची हुशारी</i> . कोंकणी भाशा मंडळ, मडगांव. 2017 12. मणेरकार, दिनेश. <i>मंगळ</i> . कोंकणी भाशा मंडळ, मडगांव. 2019 13. आचार्य, (संपा) चेतन. <i>नानू</i> . कोंकणी भाशा मंडळ मडगांव, 2017 14. पर्येकार, प्रकाश. <i>कोंकणी बाल साहित्याची सद्य स्थिती</i> . लेख- <i>गोवापुरी</i> . इन्स्टिट्यूट मिनेझिस ब्रागांझा पणजी. 2015 15. <i>शाणी मस्ती</i> . बालगितांची ऑडिओ सिडी. कोंकणी भाशा मंडळ, मडगांव. 2011 16. Nadkarni, Mangal. 'Teacher Mhaka Palav Di', Tiatr Academy of Goa, Panaji - Goa, 2011. 17. Cardozo, Tomazinho. 'Bhurgem Jivit', Tiatr Academy of Goa, Panaji - Goa, 2011. 18. Pereira, Vitorino. 'Lokam Khell', Tiatr Academy of Goa, Panaji - Goa, 2011. | |

Programme: M.A (Konkani)

Course code: KON - 526

Title of the Paper: कोंकणींतल्या ग्रामीण साहित्याचो अभ्यास

Number of credits: 04

Effective from AY: 2022-2023

| | | |
|--------------------------------------|--|--|
| Prerequisites for the Course: | विद्यार्थ्यांक कोंकणी ग्रामीण जिणेचें गिन्यान आसचें तशेंच तांणी ग्रामीण तत्वां आशिल्लें साहित्य वाचिल्लें आसचें. | |
| Objective | 1. ग्रामीण साहित्याची संकल्पना आनी खाशेलपणां कळटली. 2. कोंकणी साहित्यांत पडबिंबीत जाल्ले ग्रामीण समाज वेवस्थेची वळख जावची. 3. परंपरीक वेवसाय आनी लोकसंस्कृतायेची वळख जावची. उतरावळीचें संकलन जावचें. | |
| Content: | 1. ग्रामीण साहित्याची संकल्पना, व्याख्या, आनी स्वरूप 2. ग्रामीण साहित्याचें म्हत्व आनी तत्वां 3. ग्रामीण समाजाचे घटक अ) अर्थवेवस्था आ) लोकसंस्कृताय इ) परंपरीक वेवसाय ई) लोकमानस उ) भाशीक घटक 4. कोंकणींतल्या साबार साहित्य प्रकारांत पडबिंबीत जाल्लो ग्रामीण समाज (कविता, कथा, नाटक, तियात्र, निबंद, कादंबरी) 5. कोंकणींतले खंयचेय एके वेंचीक साहित्यकृतींतल्या ग्रामीण तत्वांचो अभ्यास. (साहित्यकृती : सावळ्यो – रामनाथ गावडे (कथाझेरो) | 08 04 10 20 18 |
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy | स्वाध्याय, ग्रामीण वाठारानी अभ्यास भोंवडी, मुलाखती ग्रामीण वाठारांतल्या लोकांच्यो तशेंच लेखकांच्यो, कार्यशाळा आनी चर्चासत्रां | |
| References/ readings | 1. ठाकूर, रवींद्र. मराठी ग्रामीण कादंबरी. सदाशीवपेठ, पुणे नोव्हेंबर 1993 2. पाटील, मोहन. ग्रामीण साहित्य आणि संस्कृती. जुलय 2002 3. नायक, पुंडलीक. मुठय, 1977 4. नायक, राजु. भावे, भुषण. कुंकळकार ज्योती. वेंचीक पुंडलीक. कोंकणी भाशा मंडळ गोंय 1989 5. कराडे, स. दा. समाज आणि साहित्य. चैतन्य प्रकाशन गोरगांव मुंबई 6. Sardesai , Manohar Rai. A History of Konkani Literature. Sahitya Akademi Prakashan 2000. 7. नायक, पुंडलीक. अछेव, अपुरबाय प्रकाशन 1977 | |

| | | |
|--------------------------|---|--|
| | <p>8. बुडकुले, किरण. <i>साहित्य नियाळ आनी कायारुपां</i>. श्री दत्त पद्मजा प्रकाशन काणकोण 1998</p> <p>9. वेरेंकार, श्याम. सरदेसाय, माधवी. म्हाळशी, कमलाकर. <i>कोंकणी भास साहित्य आनी संस्कृताय</i>. कोंकणी भाशा मंडळ प्रकाशन मडगांव. 2003</p> <p>पर्येकार, प्रकाश.(सोद प्रबंध) <i>महाबळेश्वर सैल हांच्या कादंबऱ्यांचें समाजशास्त्रीय अध्ययन</i> 2014</p> | |
| Learning outcomes | <ol style="list-style-type: none"> 1. ग्रामीण साहित्याची संकल्पना स्पष्ट जातली 2. कोंकणी साहित्यांतली ग्रामीण समाज वेवस्थेची वळख जातली 3. कोंकणी ग्रामीण साहित्य आनी लेखकांचो अभ्यास जातलो. <p>ग्रामीण वाठाराचें कोंकणी साहित्याक आशिल्लें योगदान स्पष्ट जातलें</p> | |
| | <p>टीप:</p> <p>ISA खातीर ग्रामीण वाठारांची भोंवडी करून ग्रामीण उतरावळींचें संकलन करचें वा ग्रामीण जिविताच्या विविध आयामांचेर स्वाध्याय करचो.</p> | |

Programme : M.A (Konkani)

Course code : KON - 527

Title of the Course : कोंकणी साहित्यांत 'भोवजन' संकल्पना

Number of Credits : 04

Effective from year : 2022-23

| | | |
|--------------------------------------|---|----------------------------|
| Prerequisites for the Course: | कोंकणी साहित्याचें वाचन केल्लें आसचें खास करून नाटक, तियात्र, आनी कविता | |
| Objective | 21 व्या शेंकड्यांत चालंत आशिल्ल्या 'भोवजन' प्रवाहाची विद्यार्थ्यांक वळख जावची. | |
| | | वरां |
| Content: | 1. भोवजन: व्याख्या, संकल्पना, स्वरूप. 2. भारतीय साहित्यांत भोवजन विचार (हांगा भारतीय साहित्यांतल्या खास करून दलीत, आदिवासी, आनी भोवजन साहित्याचो विचार जावचो) 3. गोंयचो भोवजन समाज 4. हेर भासांतल्या साहित्यांत गोंयचें भोवजन चित्रण 5. भोवजन विचार प्रकट जाल्ल्या साहित्यकृतींचो अभ्यास. (साहित्यकृती : खोल खोल मुळां - महाबळेश्वर सैल (कादंबरी) गळसरी - एन. शिवदास (कथा), बनवड- प्रकाश वजरीकार (नाटक), गा आमी राखणे - पुंडलीक नायक (कविता) | 06 06 04 04 40 |
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy | व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठ, आदी | |
| References/ readings | 1. . कार्दोज, फेलिसियु. <i>तियात्राचो झलो</i> ॥ , गोवा कोंकणी अकादेमी, गोंय. 1998. 2. नायक, पुंडलीक नारायण. <i>शबै शबै भोवजन समाज</i> , अपुरबाय प्रकाशन. वळवय, गोंय. 1986 3. नायक, पुंडलीक नारायण. <i>गा आमी राखणे</i> , अपुरबाय प्रकाशन. वळवय, गोंय. 1990 4. वाघ, विष्णू सूर्या. <i>सूदीरसूक्त</i> , अपुरबाय प्रकाशन. वळवय, गोंय. 2013 5. डॉ. वजरीकार, प्रकाश, रमाकांत. <i>बनवड</i> , भूमि प्रकाशन, सत्तरी गोंय. 6. एकूच रस्तो - एम्. बॉयर डॉ. मुलाटे, वासुदेव. संपा. <i>गुलामगिरी</i> स्वरूप प्रकाशन, औरंगाबाद 1999. 7. डॉ. साळुंखे, आ. ह. <i>ना गुलाम ना उदाम! लोकायत</i> , 13 | |

| | | |
|--------------------------|--|--|
| | <p>यशवंत नगर, गेंडा माळ सातारा. फेब्रुवारी 2013.</p> <p>8. Kostaka, Ivan., Ranjan, Pramod. The Case for Bahujan literature, The Marginalized, IGNOU Road, New Delhi. 2017.</p> <p>पराग, द. परब. भारताची पहिली लोकसत्ताक क्रांती, ओरिएंट ब्लॅकस्वान. हिमायतनगर, हैद्राबाद. 2018</p> | |
| Learning outcomes | भोवजन विचारांचो दृश्टीकोन स्पश्ट जाता | |

Programme MA Konkani

Course Code : KON - 528

Course Title : रवीन्द्र केळेकार हांच्या वेंचीक निबंदांचो अभ्यास

Number of Credits : 02

Effective From AY: 2022-23

| | | |
|--------------------------------------|--|----------------------|
| Prerequisites for the Course: | विद्यार्थ्यांक कोंकणी निबंदाची जाण आसची | |
| Objective | रवीन्द्र केळेकार हांच्या निबंद साहित्याची वळख जावची | |
| | | वरां |
| Content: | <ol style="list-style-type: none">कोंकणी निबंदाचो इतिहासीक नियाळनिबंद साहित्याच्या मळार रवीन्द्र केळेकार हांचें योगदानरवीन्द्र केळेकार हांच्या निबंदांचीं खाशेलेंपणांरवीन्द्र केळेकार हांच्या वेंचीक 8 ते 10 निबंदांचो खोलायेन अभ्यास (ओथांबे, कषाय मधूर, उजवाडाचे सूर, घुस्पल्लें जानवें, ह्या झेल्यांतले वेंचीक निबंद) | 05 05 05 15 |
| | वट्ट | 30 |
| Pedagogy | व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठ, गटचर्चा | |
| References/ readings | <ol style="list-style-type: none">आमोणकर, राखी. <i>कोंकणी निबंद लेखन: समाजशास्त्रीय अभ्यास</i>, (PHD खातीरचो सोदप्रबंध)भावे, भूषण. <i>साहित्य विमर्श</i>, वाळपय-सत्तरी : शाल्मली क्रिएशन्स, 2016.बुडकुले, किरण. <i>अक्षरसरिता</i> आगशी गोंय बिम्ब प्रकाशन 2009Budkuley, Kiran. <i>Shreyarthee</i>, Agasaim Goa: Bimb Publications, 2010. सरदेसाय, माधवी.(संपा.) जाग, मडगांव- गोंय: जाग प्रकाशन, 2007. | |
| Learning outcomes | निबंदकार रवीन्द्र केळेकार हांणी निबंदाच्या मळार दिल्ल्या योगदानाची खाशेलपणां सयत वळख जाता | |

Programme : M. A. (Konkani)

Course code: KON - 529

Title of the course : पुंडलीक नायक हांच्या वेंचीक नाटकांचो अभ्यास

Number of Credits : 02

Effective From AY: 2022-23

| | | |
|--------------------------------------|--|----------------------|
| Prerequisites for the Course: | | |
| Objective | पुंडलीक नायक हांच्या नाट्य साहित्या विशीं वळख जावची | |
| | | वरां |
| Content: | 1. कोंकणी नाटकाचो इतिहासीक नियाळ 2. कोंकणी नाट्य मळार पुंडलीक नायक हांचें योगदान 3. पुंडलीक नायक हांच्या नाटकांचीं खाशेलेंपणां - 4. पुंडलीक नायक हांच्या दोन वेंचीक नाटकांचो खोलायेन अभ्यास (श्री विचित्राची जात्रा, चैतन्याक मठ ना, प्रेमजागर, सुर्यसांवट, फिरंगी फटास, कांसुलो) | 02 05 05 18 |
| | वट्ट | 30 |
| Pedagogy | व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठ, गटचर्चा | |
| References/ readings | 1. कानोळकार, बाळकृष्णजी. <i>क्षः समिक्षेंतलो</i> , पेडणें-गोंय: परा प्रतिमा प्रकाशन, 2008. 2. च्यारी, पुर्णानंद. पी.एच. <i>पुंडलीक नायक आनी विजय तेंडुलकर हांच्या नाटकांचो तुलनात्मक अभ्यास</i> पी. एच. डी खातीर सादर केल्लो प्रबंध. 3. मडगांवकर, विनय. <i>तिसऱ्या सहस्रकातील भारतीय नाट्य आणि नाटककार</i> . गोवा विद्यापीठ, ताळगांव गोवा : संत सोहिरोबानाथ आंबिये अध्यासन अथिती प्रा. सं. संचालनालय, 2021 4. नायक, राजू. संपा. <i>वेंचीक पुंडलीक</i> , मडगांव गोंय: कोंकणी भाशा मंडळ. 1999 | |
| Learning outcomes | नाटककार पुंडलीक नायक हांणी नाट्य मळार दिल्ल्या भरीव योगदानाची वळख जाता | |

Programme: M. A. (Konkani)

Course: KON - 530

Title of the Course: तोमाझीन कार्दोज हांच्या वेंचीक तियात्रांचो अभ्यास

Number of Credits: 02

Effective from AY: 2022- 2023

| | | |
|--------------------------------------|--|----------------------|
| Prerequisites for the Course: | विद्यार्थ्यांक कोंकणी तियात्रांची जाण आसची. | |
| Objective | तोमाझीन कार्दोज हांच्या तियात्र साहित्या विशीं वळख जावची | |
| | | वरां |
| Content: | 1. कोंकणी तियात्राची इतिहासीक फाटभूंय 2. कोंकणी तियात्राच्या मळार तोमाझीन कार्दोज हांचें योगदान. 3. तोमाझीन कार्दोज हांच्या तियात्रांचें खाशेलपण आनी वेगळेपण 4. तोमाझीन कार्दोज हांच्या दोन वेंचीक तियात्रांचो खोलायेन अभ्यास. (तियात्र : कांटेच कांटे, म्हेंवाळ वीख, समाज सेवा) | 05 05 05 15 |
| | वट्ट | 30 |
| Pedagogy | व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, कार्यशाळा, प्रात्यक्षिकां, घरपाठ, गटचर्चा. | |
| References/ readings | 1. थळी, प्रकाश. <i>तियात्राचो इतिहास</i> 1892 – 1992. पणजी गोवा : कोंकणी अकादेमी, 1993. 2. मडगांवकर, विनय. <i>तिसऱ्या सहस्रकातील भारतीय नाट्य आणि नाटककार</i> . गोवा विद्यापीठ, ताळगांव गोवा : संत सोहिरोबानाथ आंबिये अध्यासन अथिती प्रा. सं. संचालनालय, 2021 3. वेरेंकर, श्याम., सरदेसाय, माधवी., म्हाळशी. कमलाकर., [संपादक] <i>कोंकणी भास, साहित्य आनी संस्कृताय</i> . मडगांव, गोंय : कोंकणी भाशा मंडळ, 2003. 4. Cardozo, Felicio. [Editor] <i>Tiatrancho jhelo –II</i> , Panaji, Goa: Goa Konkani Academy, 1998. 5. Fernandes, Andre Rafael. <i>When the curtains rise.... understanding Goa vibrant Konkani theatre</i> . Panaji, Goa : Tiatr Academy of Goa, 2010. 6. Mazarello, Wilmix Wilson. <i>100 years of Konkani Tiatro</i> . Panaji, Goa : Directorate of Art & Culture, Government of Goa, 2000. फेर्नांडीस, कॉज्मा. <i>तियात्रांत दिसपी गोंयच्या समाजाचें चित्रण</i> (प्रबंध). गोंय विद्यापीठ, 2016 | |
| Learning outcomes | तियात्रकार तोमाझीन कार्दोज हांणी तियात्राच्या मळार दिल्ल्या भरीव योगदानाची वळख जाता. | |

M. A. Programme in Konkani (Part : II Courses)

Research specific Optional Courses (RSOC)

Semester III

| Sr. No | Paper Code | Name of the paper | Total Credits |
|--------|-------------------------|--|---------------|
| 1. | KON-600 | संशोधन पद्धती (Research Methodology) | 04 |
| 2. | KON-601 | तुलनात्मक साहित्याचो अभ्यास (Study of Comparative Literature) | 04 |
| 3. | KON-602 | परिस्थितिकी समिक्षा (Eco Criticism) | 04 |
| 4. | KON-603 | समाज-भासविज्ञानाची वळख (Introduction to Sociolinguistics) | 04 |
| 5. | KON-604 | भासविज्ञानीक क्षेत्रवावर आनी कोंकणी भाशेचें दस्तावेजीकरण (Field Linguistics and Konkani Language Documentation) | 04 |
| 6. | KON-605 | भारतीय साहित्यांतल्या वेंचीक साहित्यकृतींचो चिकित्सक अभ्यास (Critical Study of Selected Indian Literature) | 04 |

Research specific Optional Courses (RSOC)

Semester IV

| Sr. No | Paper Code | Name of the paper | Total Credits |
|--------|-------------------------|--|---------------|
| 1. | KON-606 | अणकार : सिद्धांत आनी उपयोजन (Translation : Theory and Practice) | 04 |
| 2. | KON-607 | साहित्याचें समाजशास्त्रीय अध्ययन (Sociological Study of Literature) | 04 |
| 3. | KON-608 | समिक्षक आनी समिक्षा (Critic and Criticism) | 04 |

Programme : M.A. (Konkani)

Course Code : KON - 600

Title of the Course : संशोधन पद्धती (Research Methodology)

Number of credits : 04

Effective From AY : 2023- 2024

| | | |
|--------------------------------|--|-------------|
| Prerequisites for the Course : | संशोधन म्हणल्यार कितें हाची मुळावी म्हायती आसची. | |
| Objectives : | 1. संशोधन हे संकल्पनेची वळख जावप. 2. संशोधनाचे प्रकार अभ्यासप. 3. संशोधनाच्या पांवडे समजप. 4. संशोधनाचें प्रत्यक्ष गिन्यान मेळोवन दिवप. | |
| | | वरां |
| Content: | 1. संशोधन: व्याख्या आनी संकल्पना | 04 |
| | 2. संशोधनाचे प्रकार: समाजीक आनी साहित्यीक | 05 |
| | 3. संशोधनाचे पांवडे: अ. समस्या निर्धारण (Formulation of Problem) आ. निरीक्षण (Observation) इ. वर्गीकरण (Classification) ई. परिकल्पना (Hypothesis) उ. सामान्यीकरण (Generalization) ऊ. अनुमान (Prediction) | 12 |
| | 4. अ) विशयाची निवड आ) तथ्यांचो सोद | 12 |
| | 5. संशोधनाच्या आराखड्याची येवजण: अ. गरज आ. स्वरूप इ. पुर्वनियोजन ई. नियंत्रणाची गरज ऊ. संशोधन आराखड्याची गरज उ. तंत्र साधनांचो वापर | 10 |
| | 6. संशोधन विशयाच्या प्रकरणांची मांडणी | 07 |
| | 7. संदर्भ प्रक्रिया : अ. टिपो आनी तळटिपो आ. संदर्भावळ इ. आदलोच संदर्भ आनी तोच संदर्भ ई. इ – माध्यमांचो वापर | 10 |
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy | व्याख्यानां, स्वाध्याय, कार्यशाळा, प्रात्यक्षिकां, गटचर्चा, वर्ग-परिसंवाद | |
| References/Readings | 1. नागगोंडे, गुरूनाथ. सामाजीक संशोधन पद्धती. रि.सं.नं. 1243 प्लॉट नं 98/4, ए वॉर्ड, कोल्हापूर -416 012 : | |

| | | |
|--------------------------|--|--|
| | <p>फडके प्रकाशन, 1986.</p> <ol style="list-style-type: none"> 2. मालशे, स. गं. <i>शोधनिबंदाची लेखनपद्धती</i>. संपा. मिलिंद मालशे. भूपेश गुप्ता भवन, 85, सयानी रोड, प्रभादेवी मुंबई - 400 025 : लोकवाङ्मय गृह. (प्र. आ. 1975) सुधारीत द्वितीय आ. 2006. 3. संत, दु. का. <i>संशोधन: पद्धती, प्रक्रिया, अंतरंग</i>. 1768, सदाशिव पेठ, पुणे : डॉ. गं. श्री. कोशे, 1966. 4. मालशे, स. गं. <i>शोधनिबंदाची लेखनपद्धती</i>. संपा. मिलिंद मालशे. भूपेश गुप्ता भवन, 85, सयानी रोड, प्रभादेवी मुंबई - 400 025 : लोकवाङ्मय गृह. (प्र. आ. 1975) सुधारीत द्वितीय आ. 2006 5. Goode, William & Hall, Paul. <i>Method in Social Research</i>, McGraw - Hill, Kogakusha Tokyo, 1952. 6. Trivedi, R. <i>Research Methodology</i>, New Delhi: Radha Publication, 1996. 7. Verma, R. <i>Research Methodology</i>, New Delhi : Commonwealth Publisher, 1996. 8. <i>MLA Handbook for writers of Research papers</i>. 105 Nirmal Tower, 26 Barakhamba Road, New Delhi 110 001 : Affiliated East-West Press Private Limited, 9th Edition - 2021. | |
| Learning Outcomes | संशोधन पद्धती आनी प्रक्रिया कळिल्ल्यान संशोधन करपाचो आत्मविस्वास वाडीक लागता. | |

Programme : M. A. (Konkani)

Course code : KON- 601

Title of the Course : तुलनात्मक साहित्याचो अभ्यास (Study of Comparative Literature)

Number of Credits : 04

Effective From AY : 2023-2024

| | | |
|---------------------------------------|---|-------------|
| Prerequisites for the Course : | साहित्याच्या विंगड विंगड प्रकारांचें गिन्यान आसप गरजेचें. | |
| Objectives : | 1. तुलनात्मक साहित्याचो शास्त्रीय नदरेन अभ्यास जावचो. 2. तुलनात्मक साहित्याचे साबार संप्रदाय कळचे. 3. तुलनात्मक साहित्याचे साबार सिद्धांत समजप. 4. तुलनात्मक साहित्याचें अंतरंग समजप. | |
| | | वरां |
| Content: | 1. तुलनात्मक साहित्य – एक वळख अ. व्याख्या, संकल्पना आनी स्वरूप आ. आरंभ आनी संक्षिप्त इतिहास | 12 |
| | 2. तुलनात्मक साहित्याचे साबार संप्रदाय अ. फ्रेंच संप्रदाय आ. अमेरिकन संप्रदाय इ. जर्मन संप्रदाय ई. पूर्व युरोपीय (रशियन) संप्रदाय उ. भारतीय संप्रदाय | 12 |
| | 3. तुलनात्मक अभ्यासाचे तीन सिद्धांत अ. जाणीवरुपी संवेद्य (perceptual) आ. विवेचक (discursive) ई. विद्याशाखीय (disciplinary) | 12 |
| | 4. तुलनात्मक साहित्याचे अंतरंग अ. आशयसुत्र विचार (Thematology) आ. वाङ्मय प्रकार (Genres) इ. वाङ्मयीन चळवळी (Literary Movements) ई. वाङ्मयीन कालखंड (Periods) | 16 |
| | 5. तुलनात्मक साहित्यांतल्यान संस्कृतीक अभ्यास | 08 |
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy | व्याख्यानां, स्वाध्याय, कार्यशाळा, प्रात्यक्षिकां, गटचर्चा, परिसंवाद | |
| References/Readings | 1. जहागीरदार चंद्रशेखर. <i>तौलनिक साहित्याभ्यास</i> , कोन्टिनेनटल प्रकाशन पुणे – 30 प.आ.1992. 2. जैन रवींद्रकुमार, लेख, <i>तुलनात्मक अनुसंधान: प्रक्रिया एवं समस्याए</i> , संपा. डॉ.एस. गुलामरसूल, डॉ. सरगुकृष्णमूर्ति हिन्दी साहित्य भंडार, लखनऊ प. आ. 1980. 3. शेख, नजीर. (लेख) <i>तुलनात्मक शोध अधिकारिकता, विकासव</i> | |

| | | |
|--------------------------|---|--|
| | <p>समस्याए, (तुलनात्मक अनुसंधान एवं उसकी समस्याए), डॉ एस. गुलाम रसूल, डॉ सरगीकृष्णामूर्ति हिन्दी साहित्य भंडार, लखनऊ प.आ.1980.</p> <p>4. हिन्दी शब्दसागर (चतुर्थभाग) काशीनागरी प्रचारणी सभा, प.आ.1968.</p> <p>5. <i>Oxford Dictionary</i> : Oxford University Press Chief Editor- A.P. Cowie, fourth edition 1989.</p> <p>6. पाटील, आनंद. 'तौलनिक साहित्य : नवे सिद्धांत आणि उपयोजन, साकेत प्रकाशन, औरंगाबाद, प. आ. 1998.</p> | |
| Learning Outcomes | <p>1. विद्यार्थ्यांक तुलनात्मक साहित्याची वळख जातली.</p> <p>2. साहित्याच्या तुलनात्मक अभ्यासाक चालना मेळटली.</p> | |
| | <p>टीप :</p> <p>1. ISA भितर तुलनात्मक अभ्यास पद्दतीचें प्रत्यक्ष उपयोजन करचें.</p> <p>2. तुलनात्मक अभ्यासा खातीर भारतीय आनी संवसारीक भासांतल्या साहित्याचो आदार घेवचो.</p> | |

Programme: M.A. (Konkani)

Course Code: KON - 602

Number of Credits: 04

Title of the Course: परिस्थितिकी समिक्षा (Eco Criticism)

Effective from AY: 2023-24

| | | |
|------------------------------|---|--|
| Prerequisites for the course | पर्यावरण आनी परिस्थितिकी मळां विशीं माहिती आसची. | |
| Objective | 1. परिस्थितिकी समिक्षा सिद्धांतांचे शास्त्रीय गिन्यान मेळचें. 2. परिस्थितिकी समिक्षेच्या साबार प्रयोजन समजुचें. 3. परिस्थितिकी समिक्षेच्या उगम आनी इतिहासाची वळख. 4. कोंकणी साहित्याची परिस्थितिकी समिक्षा जावप. | |
| | | वरां |
| Content | 1. पर्यावरण: अर्थ आनी व्याप्ती 2. पर्यावरणाचे घटक आनी म्हत्व : अ. 'जल', 'जन', 'जमीन', 'जंगल' आनी 'जनावर' आ. भारतीय संस्कृतायेंत पर्यावरणाचें म्हत्व. इ. कोंकणी लोकवेदांतलें पर्यावरण. 3. परिस्थितिकी समिक्षा (Eco-Criticism) अ. पर्यावरण आनी परिस्थितिकी (Environment आनी Ecology) ह्या दोनूय उतरांची उत्पत्ती संकल्पना. आ. मानवी वेव्हारांचो धर्तरी आनी परिस्थितिकीचेर पडिल्लो प्रभाव. 4. परिस्थितिकी समिक्षा: प्रयोजन आनी स्वरूप 5. परिस्थितिकी समिक्षेचो उगम आनी इतिहास: अ. पश्चिमी विचारधारा ब. भारतीय विचारधारा 6. परिस्थितिकी समिक्षेच्यो पद्दती आनी नवे विचार प्रवाह 7. सैम, समाज आनी साहित्याचो आंतरसंबंद आ. सैम आनी समाज इ. सैम आनी साहित्य ई. साहित्यांत पर्यावरणीय मुल्यां 8. कोंकणी साहित्य प्रकारांतल्यो देखी घेवन परिस्थितिकी समिक्षेचें मुल्यमापन जावचें. (कादंबरीचेर भर दिवन) टीप : कोंकणींतले खंयचेय एके परिस्थितिकी साहित्यकृतीक धरून अभ्यास भोंवडेचें आयोजन करचें. | 04 08 08 04 06 04 06 20 |
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy | व्याख्यानां, स्वाध्याय, कार्यशाळा, प्रात्यक्षिकां, गटचर्चा, परिसंवाद | |
| References/ Reading | 1. Buell, Lawrence, <i>The Future of Environmental Criticism: Environmental Crisis and Literary Imagination</i> , Wiley Blackwell, John Wiley & Sons, United States 2005. 2. Jha, Shivani. <i>Ecocritical Readings Rethinking Nature And Environment</i> Partidge India, 2015. 3. Cherlly Glotfelty & Harold Fromm (Editor) <i>Ecocriticism</i> | |

| | | |
|--|--|--|
| | <p><i>Reader</i>, University of Georgia Press, 1996.</p> <ol style="list-style-type: none"> 4. Rangarajan, Swarnalatha. <i>Ecocriticism</i> (Big Ideas And Practical Strategies), The Orient Blackswan, 2018 5. फतेहअली, लईक. <i>आमचें पर्यावरण</i> (अणकार -श्याम वेरेंकार), नवी दिल्ली : नॅशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, 2004. 6. हळर्णकार, तानाजी (संपा.) 'पर्यावरण', <i>कोंकणी विश्वकोश</i> (खंड-2), गोवा विश्वविद्यालय, 1997. 7. वर्दे वालावलीकार, शांताराम. <i>समग्र शणै गोंयबाब</i> (खंड 3), गोवा कोंकणी अकादेमी, 2006. 8. भावे, भूषण. "भारतीय ललीत साहित्यांत पर्यावरणीय समिक्षा" <i>साहित्य विमर्श</i>, धावें- तार, सत्तरी : शात्मली क्रिएशन्स, 2016. 9. केरकर, राजेंद्र. <i>माझ्या मातीचे गायन</i>, अस्रोडा गोवा : सिध्दांत पब्लिकेन्स, 2007. 10. चितमपल्ली, मारूती. <i>चैत्रपालवी</i>, सिताबर्डी नागपूर महाराष्ट्र: साहित्य प्रसार केंद्र, 2004. 11. पुजारी, सुहास. <i>रानावनातला माणूस</i>, एरवंड पुणे – 411 038 : पद्मगंधा प्रकाशन, 2006. 12. केळेकार, रवीन्द्र. <i>घुस्पल्लें जानवें</i>, प्रियोळ – म्हाड्डोळ, फोडें : जाग प्रकाशन, 2000. 13. केळेकार, रवीन्द्र. <i>हिमालयांत</i>, म्हाड्डोळ, फोडें : जाग प्रकाशन, 1976. 14. नायक, पुंडलीक. <i>अच्छेव</i>, प्रियोळ – म्हाड्डोळ, फोडें : जाग प्रकाशन, 1977 15. पर्येकार, प्रकाश. <i>म्हादय काळजांतल्यान कागदार...</i> पाटो पणजी : कला आनी संस्कृती संचालनालय, गोंय सरकार, 2011. 16. पर्येकार, प्रकाश. "उदरगत आनी पर्यावरण : साहित्यिकाची लागणूक", प्रियोळ – म्हाड्डोळ, फोडें : जाग, जून 2007. 17. वजरीकार, प्रकाश. <i>आनी एक बुटो फुल्लो</i>, सावर्शे सत्तरी : भूमि प्रकाशन, 2004. 18. पवार, राजय. <i>कोंकणी कवितेचो इतिहास</i>. बोरी, फोडें, गोंय : सानिका प्रोडक्शन, 2014 19. भावे, भूषण. <i>खण-वेवसायाचेर आदारीत कांय कादंबऱ्यांचो अभ्यास: मूल्य परिवर्तनाच्या संदर्भात</i>- 2015 (गोंय विद्यापीठाक सादर केल्लो सोद प्रबंध) 20. 'Effect of the 2004 Indian Ocean earthquake on Indonesia' en.wikipedia.org 21. 'History of mining in Goa', Goenchimati.org /Directorate of Mines & Geology, Government of Goa, dmgoa.goa.gov.in 22. 'Biodiversity Protection' <i>Western Ghats</i>, en.wikipedia.org | |
|--|--|--|

Programme : M. A. (Konkani)

Course code : KON - 603

Title of the Course : समाज-भासविज्ञानाची वळख (Introduction to Sociolinguistics)

Number of Credits: 04

Effective From AY: 2023- 2024

| | | |
|---------------------------------------|--|-------------|
| Prerequisites for the Course : | विद्यार्थ्यांक भासविज्ञानाची मुळावी वळख आसची. कोंकणीच्या बोलयांची वळख आसची. कोंकणीच्या भाशीक चळवळीची थोडीभोव वळख आसची. | |
| Objectives : | <ol style="list-style-type: none">1. विद्यार्थ्यांक समाज-भासविज्ञानाची वळख घडप.2. विद्यार्थी संबंदीत विशयांच्या संदर्भांत क्षेत्रवावर करपाक प्रेरीत जावप.3. स्लॅंग आनी वेवसायीक उतरावळीचो अभ्यास जावप.4. भास आनी बोलयांच्या साबार तरांचो अभ्यास जावप. | |
| | | वरां |
| Content: | <ol style="list-style-type: none">1. भास आनी समाज – नातें ; सपीर आनी वोर्फ हांणी मांडिल्लो भाशीक सापेक्षतायेचो सिद्धांत: भाशेच्या वापराचें व्याकरण (commutative competence) ; समाज भासविज्ञान आनी भाशेचें समाजशास्त्र - वेगळेंपण, एकभाशिकताय, द्विभाशिकताय, भोवभाशिकताय. भास-संपर्क म्हणल्यार कितें ? भास-संपर्काचें परिणाम - उश्णो वेव्हार (Borrowing) भास भरसप (Code mixing) तिनाय भितरले वेगळेपण, भास बदलप (Code Switching), तिनां भितरलें वेगळेपण. उश्णो वेव्हार (विस्तारान अभ्यास) भास उतरां उश्णीं कित्याक घेता? उश्णीं उतरां भास कशी आपणायता? उश्ण्या उतरांच्यो तरा - संस्कृतीक उश्णो वेव्हार आनी संस्कृतीक आंवाठा भायलो उश्णो वेव्हार (Cultural Borrowing and intimate Borrowing, कोंकणीच्या संदर्भांत उश्ण्या उतरांचो अभ्यास. | 18 |
| | <ol style="list-style-type: none">2. स्लॅंग आनी वेवसायीक उतरावळी. | 06 |
| | <ol style="list-style-type: none">3. पिज्जीन आनी क्रियोल भासो, पिज्जीन भास कशी जल्मा येता, पिज्जीन क्रियोल केन्ना जाता. मुंबयचे 'बाजारी हिंदी'चो अभ्यास. | 08 |
| | <ol style="list-style-type: none">4. भास आनी बोली : इतिहासीक थळाव्यो आनी समाजीक बोलयो, प्रमाण बोली. भाशाद्वित्व (डायग्लॉसिया) | 08 |
| | <ol style="list-style-type: none">5. प्रमाणीकरण आनी भाशाद्वित्व: वेगळेपण – उतर मध्य भारतांतलें भाशाद्वित्व – कोंकणीच्या संदर्भांत भाशाद्वित्वाचो अभ्यास. | 08 |
| | <ol style="list-style-type: none">6. भाशीक नियोजन - वेगळीं वेगळीं आंगां. भाशीक प्रमाणीकरणाच्या नियोजनाच्या संदर्भांत विचार आनी अभ्यास. | 12 |
| | वट्ट | 60 |

| | | |
|---------------------------------|---|--|
| Pedagogy | व्याख्यानां, स्वाध्याय, कार्यशाळा, प्रात्यक्षिकां, गटचर्चा, सादरीकरण | |
| References/ Readings | <ol style="list-style-type: none"> 1. सरदेसाय, माधवी. <i>भासाभास</i>, जाग प्रकाशन, 1993. 2. चोपडेकार, डॉ. हनुमंत. <i>समाजभासविज्ञान: भाशीक अध्ययनाचें आर्विल्लें शास्त्र</i>, गोवा कोंकणी अकादेमी, 2020. 3. सरदेसाय, माधवी . <i>भास आनी समाज</i>, जाग - जुलै 2000, पानां 14 - 16. 4. सरदेसाय, माधवी. <i>उश्णी उतरां</i>, (चार वांट्यांनी आयिल्लें बरप), जाग, ऑगस्ट 1999; पानां 13-15; सप्टेंबर 1999 पानां 16-18; डिसेंबर 1999 पानां 12-14. 5. सरदेसाय, माधवी. <i>डायग्लॉसिया</i>, (चार वांट्यांनी आयिल्लें बरप) जाग, जानेवारी 2000 पानां 14-16; फेब्रुवारी 2000 पानां 10-12; मार्च 2000 पानां 10-11, एप्रील 2000 पानां 18-21. 6. सरदेसाय, माधवी. <i>पिज्जीन आनी क्रियोल भासो</i>, जाग, जून 2000 पानां 15 - 17. 7. सरदेसाय, माधवी. <i>धारावींतली बाजारी हिंदी</i>, जाग, मे 2000 पानां 11-15. 8. नायक, प्रताप. <i>भासविज्ञाचें नदरेन कोंकणीचो अभ्यास आनी प्रमाणीकरण</i>, सोद-1, तॉमस स्टीवन्स कोंकणी केन्द्र, नोव्हेंबर 2000, पानां 3-17. 9. केळेकार, रवीन्द्र. <i>भोवभाशीक भारतांत भाशेंचें समाजशास्त्र</i>, मडगांव : कोंकणी भाशा मंडळ, 1974. 10. केळेकार, रविन्द्र. <i>भाशिक संघर्षाचें समाजशास्त्र</i>, पणजी: राजहंस वितरण; 2008. 11. Trudgill, Peter. <i>Sociolinguistics: An introduction</i>, penguin books, 1974. 12. Wardhaugh, Ronald. <i>An introduction to sociolinguistic</i>, Basil Blackwell, 1986. 13. <i>Handbook of sociolinguistics</i>, ed. Florian coulmas Blackwell 1997. 14. <i>Visualizing Boundaries- A Plurilingual Ethos-</i> Lachman M. Khubchandani, sage pulications, 1997. 15. Annamalai, E. <i>Managing Multilingualism in India: political and linguistic Manifestation</i>, New Delhi: sage Publication 1997. | |
| Learning Outcomes | <ol style="list-style-type: none"> 1. विद्यार्थी कोंकणी बोलयांच्या संदर्भांत क्षेत्रवावर करूंक पावतले. 2. भाशेचीं तरेकवारपणां समजून तिच्या दस्तावेजीकरणाचो वावर जातलो. | |
| | <p>टीप:</p> <p>20 गुणाच्यो 4 ISA आसतल्यो. हातूंतली एक तरी कोंकणी भाशेच्या संदर्भांत क्षेत्रवावर करून दस्तावेजीकरण करपी आसची.</p> | |

Programme: M.A. (Konkani)

Course Code: KON - 604

Title of the Course: भासविज्ञानीक क्षेत्रवावर आनी कोंकणी भाशेचें दस्तावेजीकरण

(Field Linguistics and Konkani Language Documentation)

Number of Credits: 04

Effective from AY: 2023- 2024

| | | |
|--------------------------------------|--|-----------|
| Prerequisites for the course: | विद्यार्थ्यांक मौखीक कोंकणीचें गिन्यान आसचें. | |
| Objective: | 1. भासविज्ञानीक क्षेत्र-वावराची वळख जावप. 2. क्षेत्र-वावराच्यो पद्दतींची वळख जावप. 3. कोंकणी भाशे संदर्भांत क्षेत्र-वावर जावपाक उर्बा मेळप. 4. कोंकणी भाशेचें शास्त्रीय दस्तावेजीकरण जातलें | |
| | | वरां |
| Content: | 1. भासविज्ञानीक क्षेत्र वावर: i. भासविज्ञानीक क्षेत्र-वावराचो थोडे भितर इतिहास ii. भासविज्ञानीक क्षेत्र-वावराचो उद्देश iii. भासविज्ञानीक क्षेत्रवावरा मुखावयलीं आव्हानां | 08 |
| | 2. भासविज्ञानीक क्षेत्र-वावराच्यो पद्दती | 08 |
| | 3. भासविज्ञानीक क्षेत्र-वावरांतलीं नितीतत्वां | 04 |
| | 4. भासविज्ञानीक क्षेत्र-वावराची तयारी आनी पांवडे संशोधक-संशोधन सुवात (भाशीक समाज)- म्हायतीदार-उपकरणां/यंत्रां, भास/बोलयेचे म्हायतीसंदर्भांत | 10 |
| | 5. म्हायतीची पुंजावणी, सांबाळ, नियाळणी अ. स्वनिमीक - व्याकरणीक मुळावी म्हायती मेळोवप, उतरांची प्रत्यक्ष पुंजावणी. आ. म्हायतीसांबाळ इ. म्हायतीचीनियाळणी | 10 |
| | 6. प्रात्यक्षीक क्षेत्र वावर:वेंचून काडिल्ल्या वाठारांतले बोलयेचो भासविज्ञानीक क्षेत्र वावर करून ताचें लिखित /दृक- श्राव्य रूपांत दस्तावेजीकरण | 20 |
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy | व्याख्यानां, ट युटेरियल. स्वाध्याय, कार्यशाळा, प्रात्यक्षिकां, गटचर्चा, सादरीकरण | |
| References/Reading | Readings: 1. Abbi, A. 2001. <i>Manual of Linguistic Fieldwork and Structures of Indian languages</i> . Lincom Europa: Munich. 2. Bower, C.2008. <i>Linguistic Fieldwork</i> . Palgrave:Macmillan. 3. Crowley, T. 2007. <i>Field Linguistics. A Beginner's Guide</i> . Oxford: OUP. 4. Samarin. W. <i>Field Linguistics: A Guide to Linguistic</i> | |

| | | |
|----------------------------------|---|--|
| | <i>Fieldwork</i> . Holt, Rinehart, and Winston, New York. 1967. | |
| <u>Learning Outcomes:</u> | <ol style="list-style-type: none">i. क्षेत्र-वावर कसो करचो तें कळटलें.ii. कोंकणी बोलयांचीं खाशेलेपणां वळखूंक कळटलें. | |

Programme : M. A (Konkani)

Course code : KON - 605

Title of the Course : भारतीय साहित्यांतल्या वेंचीक साहित्यकृतींचो चिकित्सक अभ्यास
(Critical Study of Selected Indian Literature)

Number of Credits : 04

Effective From AY: 2023- 2024

| Prerequisites for the Course: | भारतीय भासांतल्या मूळ आनी अणकारीत साहित्यकृतींची वळख आसची. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-------------------------------|--|-------------------|----------------------|-----------------------|------------|--------------|----|---------------|-------------------|-------------------|-------------|----|-------------|----------------|----------------------|----------|---|--------|------------------|-----------------|----------------|---|--------|------------|--------------|-----------------------|---|-------------------|------------------|------------|-----------|---|------------|---------------|-----------------|--------------|---|--------------------------|-----------------|-------------------|-------------|---|-----------------|----------------|----------------|-------------------|---|---------------------------|-----------------|------------------|-----------------|---|---------------|------|-----|----------|--|
| Objective | 1. भारतीय भासांतल्या वेंचीक साहित्यकृतींचो चिकित्सक अभ्यास जावप. 2. भारतीय साहित्याचे साबार प्रवाह समजप. 3. कोंकणींत अणकारीत भारतीय साहित्याची वळख जावप. 4. कोंकणींत अणकारीत भारतीय साहित्याची चिकित्सा जावप. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | वरां | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Content: | अ. भारतीय साहित्याचें स्वरूप आनी व्याप्ती 1. भारतीय साहित्याचें मूळ स्वरूप 2. भारतीय साहित्याचें समाजशास्त्र 3. भारतीय साहित्याच्यो सांस्कृतीक खाशेलपणां | 20 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | आ. कोंकणी अणकारीत साहित्याची वळख | 10 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | इ. कोंकणींत अणकारीत जाल्ल्या सकयल्या खंयचेय एके साहित्यकृतींचें अध्ययन : (धा विद्यार्थ्यांच्या गटा खातीर एक साहित्यकृती घेवंची) | 30 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | <table border="1"><thead><tr><th>क्र.</th><th>साहित्यकृतीचें नांव</th><th>मूळ भाशा /प्रकार</th><th>मूळ बरोवपी</th><th>कोंकणी अणकार</th></tr></thead><tbody><tr><td>1.</td><td>एकशे एक कविता</td><td>बंगाली कविता झेलो</td><td>रवीन्द्रनाथ टागोर</td><td>माधव बोरकार</td></tr><tr><td>2.</td><td>मोटव्यो कथा</td><td>कन्नड कथा झेलो</td><td>मस्ती वेंकटेश एय्यगर</td><td>रमेश लाड</td></tr><tr><td>3</td><td>उचल्या</td><td>मराठी आत्मचरित्र</td><td>लक्ष्मण गायकवाड</td><td>पांडुरंग गावडे</td></tr><tr><td>4</td><td>तलेदंड</td><td>कन्नड नाटक</td><td>गिरिश कर्नाड</td><td>श्रीधर कामत बांबोळकार</td></tr><tr><td>5</td><td>दोन वळींचे मजगतीं</td><td>हिंदी कविता झेलो</td><td>राजेश जोशी</td><td>परेश कामत</td></tr><tr><td>6</td><td>राग दरबारी</td><td>हिंदी कादंबरी</td><td>श्री लाल शुक्ला</td><td>जयमाला दणायत</td></tr><tr><td>6</td><td>चान्न्या रातीचो दुख्खांत</td><td>पंजाबी कथा झेलो</td><td>दुग्गल करतार सिंग</td><td>माया खरंगटे</td></tr><tr><td>7</td><td>अधिकार अरण्याचो</td><td>बंगाली कादंबरी</td><td>महाश्वेता देवी</td><td>डॉ. कस्तुरी देसाय</td></tr><tr><td>8</td><td>सत्याचे प्रयोग वा अत्मकथा</td><td>इंग्लीश आत्मकथा</td><td>मोहनदास क. गांधी</td><td>गुरूनाथ केळेकार</td></tr><tr><td>9</td><td>दीर्घ मौन तें</td><td>तमीळ</td><td>शशी</td><td>प्रशांती</td></tr></tbody></table> | क्र. | साहित्यकृतीचें नांव | मूळ भाशा /प्रकार | मूळ बरोवपी | कोंकणी अणकार | 1. | एकशे एक कविता | बंगाली कविता झेलो | रवीन्द्रनाथ टागोर | माधव बोरकार | 2. | मोटव्यो कथा | कन्नड कथा झेलो | मस्ती वेंकटेश एय्यगर | रमेश लाड | 3 | उचल्या | मराठी आत्मचरित्र | लक्ष्मण गायकवाड | पांडुरंग गावडे | 4 | तलेदंड | कन्नड नाटक | गिरिश कर्नाड | श्रीधर कामत बांबोळकार | 5 | दोन वळींचे मजगतीं | हिंदी कविता झेलो | राजेश जोशी | परेश कामत | 6 | राग दरबारी | हिंदी कादंबरी | श्री लाल शुक्ला | जयमाला दणायत | 6 | चान्न्या रातीचो दुख्खांत | पंजाबी कथा झेलो | दुग्गल करतार सिंग | माया खरंगटे | 7 | अधिकार अरण्याचो | बंगाली कादंबरी | महाश्वेता देवी | डॉ. कस्तुरी देसाय | 8 | सत्याचे प्रयोग वा अत्मकथा | इंग्लीश आत्मकथा | मोहनदास क. गांधी | गुरूनाथ केळेकार | 9 | दीर्घ मौन तें | तमीळ | शशी | प्रशांती | |
| क्र. | साहित्यकृतीचें नांव | मूळ भाशा /प्रकार | मूळ बरोवपी | कोंकणी अणकार | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1. | एकशे एक कविता | बंगाली कविता झेलो | रवीन्द्रनाथ टागोर | माधव बोरकार | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2. | मोटव्यो कथा | कन्नड कथा झेलो | मस्ती वेंकटेश एय्यगर | रमेश लाड | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3 | उचल्या | मराठी आत्मचरित्र | लक्ष्मण गायकवाड | पांडुरंग गावडे | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 4 | तलेदंड | कन्नड नाटक | गिरिश कर्नाड | श्रीधर कामत बांबोळकार | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 5 | दोन वळींचे मजगतीं | हिंदी कविता झेलो | राजेश जोशी | परेश कामत | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 6 | राग दरबारी | हिंदी कादंबरी | श्री लाल शुक्ला | जयमाला दणायत | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 6 | चान्न्या रातीचो दुख्खांत | पंजाबी कथा झेलो | दुग्गल करतार सिंग | माया खरंगटे | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 7 | अधिकार अरण्याचो | बंगाली कादंबरी | महाश्वेता देवी | डॉ. कस्तुरी देसाय | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 8 | सत्याचे प्रयोग वा अत्मकथा | इंग्लीश आत्मकथा | मोहनदास क. गांधी | गुरूनाथ केळेकार | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 9 | दीर्घ मौन तें | तमीळ | शशी | प्रशांती | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | |
|----------------------------------|---|--|
| | <p><i>Reflections, Refractions, Transformations</i>, Delhi: Pencraft International 2005.</p> <p>3. Nirangana, Tejaswini. <i>Sitting Translation: History, Post-Structuralism on and the Colonial Context</i>. Hyderabad: Orient Longman Ltd.1995.</p> <p>4. भावे, भुषण., वजरीकार प्रकाश., पर्येकार प्रकाश. <i>कारबारी कोंकणी</i>. पणजी गोंय. राजहंस प्रकाशन, चवथी आवृत्ती, 2013.</p> <p>5. राजभाश संचालनालय, गोंय सरकार, पणजी. <i>विधानसभा कामकाज भाशा मार्गदर्शिका कोंकणी</i>, 2016.</p> <p>6. थळी, मुकेश. "अणकार". जाग, दिवाळी, 1999, 93-94.</p> <p>7. बुडकुले, किरण. "अणकार: आयच्या संदर्भात एक विचार", जाग, मार्च 2001: 16-19.</p> <p>8. केळेकर, अशोक रा. (अण.) "भारतांतली अणकार कार्याची अवतिकाय: कारणां आनी उपाय", माधवी सरदेसाय, जाग, दिवाळी 2000: 16-17.</p> <p>9. सरदेसाय, माधवी. "अणकारी उश्णेपण", जाग, सप्टेंबर 1999, 93-94.</p> <p>10. सरदेसाय, माधवी. "अणकारी गाठवलां", जाग, दिवाळी-नातलां, 2010.</p> <p>11. Sardesai, Madhavi. "Translation Scenario of Konkani". Paper presented in a National Seminar: Sahitya Samvaad IIT, org. by Sane Guruji Rashtriya Smarak Trust, Mumbai, published in the Seminar Proceedings: Antarvharati Sahitya Samvadd – III, pp. 30-40), 2007.</p> | |
| <p>Learning Outcomes:</p> | <p>1. विद्यार्थ्यांक अणकाराचे शास्त्रीय गिन्यान वळख जाता</p> <p>2. विद्यार्थी अणकारकपाक शिकता.</p> | |

Programme : M.A. (Konkani)

Course Code : KON - 607

Title of the Course : साहित्याचें समाजशास्त्रीय अध्ययन (Sociological Study of Literature)

Number of credits : 04

Effective From AY : 2023- 2024

| | | |
|--------------------------------|---|------|
| Prerequisites for the Course : | कोंकणी साहित्य आनी समाजाची थोडी भोव वळख आसची. | |
| Objectives : | 1. व्यक्ती, समाज आनी समाजशास्त्र हांची संकल्पना विद्यार्थीक स्पश्ट जावप. 2. समाजशास्त्राचो अभ्यास करतना हेर शास्त्रांचें महत्वाचें समजतलें. 3. समाजशास्त्राक केंद्रस्थानार दवरून साबार साहित्य प्रकारांचो अभ्यास करप. 4. संबंदीत शास्त्राक धरून वेंचीक साहित्यकृतीचो अभ्यास जातलो. | |
| | | वरां |
| Content: | 1. समाज : संकल्पना आनी व्याख्या | 05 |
| | 2. भारतीय समाजाचीं खाशेलपणां | 05 |
| | 3. समाजशास्त्र : अर्थ आनी व्याख्या | 03 |
| | 4. समाजशास्त्रीय अभ्यासाची फाटभूंय | 05 |
| | 5. समाजशास्त्राचो हेर शास्त्रां कडेन आशिल्लो संबंद (मानसशास्त्र, समाज मानसशास्त्र, मानववंशशास्त्र, भाशाशास्त्र, अर्थशास्त्र, धर्मशास्त्र, राजशास्त्र) | 06 |
| | 6. साहित्यांत मार्क्सवादाचो प्रभाव (सामाजीक वर्ग, वर्गसंघर्श, संपत्तीचें असमान वितरण) | 05 |
| | 7. साहित्याचें समाजशास्त्र: अ. सिद्धांतीक अभ्यास आ. उपयोजीत अभ्यास | 05 |
| | 8. लेखक, वाचक आनी समिक्षक हांचे मदलो आंतरसंबंद | 06 |
| | 9. अणकारीत तशेंच वेंचीक कोंकणी कविता आनी कथांचो अभ्यास | 10 |
| | 10. मूळ कोंकणी वा अणकारीत खंयचेय एके कादंबरेचो अभ्यास | 10 |
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy | व्याख्यानां, स्वाध्याय, कार्यशाळा, प्रात्यक्षिकां गटचर्चा, सादरीकरण | |
| References/Readings | 1. दुबे, श्यामचरण. (कोंकणी अणकार)चंद्रकांतकेणी. भारतीय समाज. ग्रीन पार्क, नई दिल्ली : नॅशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, 1999. 2. शिरोडकार, पां. पु. जाती-वर्णांचें समाजशास्त्र, मडगांव गोंय : कोंकणी भाशा मंडळ, 1975. 3. पाण्डेय, मैनेजर, साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका, चण्डीगढ : हरियाणा साहित्य अकादमी, 1989. | |

| | | |
|-------------------|--|--|
| | <ol style="list-style-type: none"> 4. कऱ्हाडे, सदा. <i>समाजआणिसाहित्य</i>. 85, सयानीरोड, प्रभादेवी, मुंबई 400 025 : लोकवाङ्मयगृह, दुसरी आवृत्ती. 1999. 5. काचोळे, दा. धो. <i>आदिवासी समाजशास्त्र</i>. गोकुळवाडी, औरंगपुरा, औरंगाबांद - 431001 : कैलाश पब्लिकेशन्स, जानेवारी 2009. 6. कुलकर्णी, गो. म. (संपा.) <i>समाजशास्त्रीय समीक्षा: काही विचार</i>. सदाशिव पेठ, पेरूगेट जवळ, पुणे 30 : मेहता पब्लिशिंग हाऊस, 1982. 7. गजेंद्रगड, व्ही. एन. आणि मारूलकर, व्ही. एस. <i>समकालीन भारतीय समाजशास्त्र</i>. रि.स.नं. 9/ 4 ए, दुधाळी, कोल्हापूर : फडके प्रकाशन, मार्च 2000. 8. गवते, ज्ञानेश्वर. <i>धनगरांच्या लोकसाहित्यातील समाजदर्शन</i>. औरंगापुरा, औरंगाबाद - 431 001 : कैलाश पब्लिकेशन, मार्च 2011. 9. जोग, वि. स. <i>मार्क्सवाद आणि मराठी साहित्य</i>. हनुमान गल्ली, सीताबर्डी, नागपूर - 440 012 : विजय प्रकाशन, 1981. 10. जोशी, महादेवशास्त्री. (संपा.) <i>भारतीय संस्कृतिकोश</i>. (खंड- 1 ते 10). 410, शनिवार पेठ, पुणे 411 030 : शं. मं. होडारकर, कार्यवाह, भारतीय संस्कृतिकोश मंडळ. 11. ठाकूर, रवींद्र. <i>मराठी कादंबरी : समाजशास्त्रीय समीक्षा</i>, शनिवार पेठ, पुणे - 411 030 : दिपराज प्रकाशन प्रा. लि., प्रथमावृत्ती : मे 2007. 12. मायी, सुनील. <i>समाजशास्त्र</i>. 17, स्टेडियम शॉपिंग सेंटर, स्टेट बँक समोर, जळगांव - 425 001 : प्रशांत पब्लिकेशन्स, मे 2002. 13. गुप्ता, एस आर. <i>उपन्यास का समाजशास्त्र</i>. मोती बाजार, हाथरस - 204 101 : सिता प्रकाशन, प्र. सं. 1995. 14. तिवारी, गोरखनाथ. <i>अन्तिम दशक के हिन्दी उपन्यासों का समाजशास्त्रीय अध्ययन</i>. साकेत नगर, कानपुर : अन्नपूर्णा प्रकाशन, 2008. 15. Sharma, K. L. <i>Caste, Class and Social Movement</i>, Jaipur - 302 004 : Rawat Publications, 1986. 16. Chitambar, J. B. <i>Introductory Rural Sociology</i>. New Delhi 110 002 : Wiley Eastern Limited 1975, (Sixth reprint 1985) 17. Gidden, Anthony. <i>Sociology : A brief but critical introduction</i>, Houndmills, Basingstoke, Hampshire RG 212XS, and London : Macmillan Education Ltd. (First Edition - 1982) Second Edition - 1986. | |
| Learning Outcomes | <ol style="list-style-type: none"> 1. समाजशास्त्रीय समीक्षा पद्दतींचो अभ्यास जाता. 2. समाजशास्त्राच्या आदारान साहित्याचो अभ्यास कसो करचो तें विद्यार्थ्यांक कळटलें. | |

Programme: M.A. (Konkani)

Course Code: KON - 608

Number of Credits: 04

Title of the Course: **समिक्षक आनी समिक्षा** (Criticism and Criticism)

Effective from AY: 2023- 2024

| | | |
|-------------------------------|--|------|
| Prerequisites for the course: | समिक्षा हे संकल्पने विशीं गिन्यान आसचें | |
| Objective: | 1. समिक्षा सिद्धांतांची वळख जातली 2. समिक्षेच्यो साबार पद्धतींचें गिन्यान मळटलें. 3. कोंकणींतल्या समिक्षा साहित्याचो इतिहास कळटलो. 4. कोंकणी साहित्याची समिक्षा जावपाक उर्बा मेळटली. | |
| | | वरां |
| Content: | 1. समिक्षेची परिभाशा | 05 |
| | 2. समिक्षा: प्रयोजन आनी स्वरूप साहित्यानी समिक्षकाची भुमिका समिक्षकाचे गूण | 10 |
| | 3. समिक्षेच्यो पद्धती समाजशास्त्रीय समिक्षा इतिहासीक समिक्षा स्त्रीवादी समिक्षा तुलनात्मक समिक्षा मानसशास्त्रीय समिक्षा मार्क्सवादी समिक्षा परिस्थितिकी समिक्षा | 20 |
| | 4. कोंकणींतल्या समिक्षा साहित्याचो इतिहास | 10 |
| | 5. कोंकणी समिक्षेची स्थिती | 10 |
| | 6. वेंचीक पुस्तकाची योग्य समिक्षा पद्धत वापरून समिक्षा (अध्यापकाच्या आदारान वेंचीक पुस्तकांची निवड करची) | 05 |
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy | व्याख्यानां, स्वाध्याय, कार्यशाळा, प्रात्यक्षिकां गटचर्चा, सादरीकरण | |
| References/ Reading | 1. नागवेंकार, हरिश्चंद्र. <i>आस्वादन</i> , मडगांव, गोंय : गोंयकार प्रकाशन, 1987 2. गांवकार, भालचंद्र. <i>साहित्य - एक भासाभास</i> , फोंडें, गोंय : मित्र प्रकाशन, 1998 3. बुडकुले, किरण <i>साहित्य नियाळ : अंतरंग आनी कायारूप</i> , गोंय : ओम श्री दत्त पद्मजा प्रकाशन, 1998 4. बुडकुले, किरण. <i>समिक्षेकडेन इश्टागत</i> , गोंय : राजहंस वितरण, 1998 | |

| | | |
|--|--|--|
| | <ol style="list-style-type: none"> 5. बुडकुले, किरण . <i>अक्षर सरिता</i>, गोंयधर्म-लक्ष्मी, सांत लॉरेन्स, आगशी, गोंय :बिम्ब प्रकाशन,.2009 6. बुडकुले, किरण . <i>शतकान्तिका</i>, धर्म-लक्ष्मी, सांत लॉरेन्स, आगशी, गोंय :बिम्ब प्रकाशन,.2009 7. तेंडुलकार, एस .डी . <i>वालोर</i> .पणजी, गोंय :राजहंस वितरण, .1998 8. तडकोडकार, प्रियदर्शिनी . <i>कोंकणी साहित्य मञ्जिरी - नदर आनी नियाळ</i> .कामत प्लाझा, सांता इनेझ, पणजी, गोंय :केदार प्रकाशन,.2005 9. वजरीकार, प्रकाश रमाकांत . <i>वज्रघात</i> .वजरी सांखळी, गोंय : 403505 –प्राची प्रकाशन, जून .2010 10. डिसौजा, चंद्रलेखा . <i>कोंकणी काव्याची पृष्ठभूमि</i> . दामोदराच्या देवळालागीं, स्वतंत्र पथ, वास्को-डा-गामा, गोंय :802 403चिंतन प्रकाशन, एच .सी .ठक्कर.1994 . 11. चंद्रलेखा <i>समिक्षणात्मक आनी आलोचनात्मक लेख</i> . वास्को द गामा, गोवा 802 403,.2008 12. डिसौजा,चंद्रलेखा) .संपा (. <i>सृजना और आलोचना</i> . दिल्ली :रुचिका प्रिण्टर्स,.2010 13. सरदेसाय, मनोहरराय . <i>साहित्य सुवाद</i> .पणजी, गोंय : गोवा कोंकणी अकादेमी 1993 14. पवार, राजय . <i>कोंकणी कवितेचो इतिहास</i> . बोरी, फोंडें, गोंय :सानिका प्रोडक्शन,.2014 | |
| | <p>टीप –</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. 20 गुणांची एक तरी ISA कोंकणींत प्रकाशीत समिक्षा साहित्याचेर जावची. | |

M. A. Programme in Konkani (Part : II Courses)

Optional Generic Courses (OGC)

Semester III

| Sr. No | Paper Code | Name of the paper | Total Credits |
|--------|---------------------------|--|---------------|
| 1. | KON - 621 | साहित्यांत स्त्रीवादाची संकल्पना Concept of Feminism in Literature | 04 |
| 2. | KON - 622 | माहितीपट निर्मिती Documentary Production | 04 |
| 3. | KON - 623 | पाश्चात्य काव्यशास्त्राचो अभ्यास Study of Western Poetics | 04 |
| 4 | KON - 624 | भारतीय काव्यशास्त्रांतले सिद्धांत Theories in Indian Poetics | 04 |
| 5 | KON - 625 | लघू फिल्म निर्मिती Short Film Production | 04 |
| 6. | KON - 626 | वेंचीक गोंयच्या लोक नाचांचो अभ्यास Study of Selected forms of Goan Folk Dance | 02 |
| 7. | KON - 627 | दामोदर मावजो हांच्या वेंचीक कथांचो अभ्यास Study of selected Stories of Damodar Mauzo | 02 |
| 8. | KON - 628 | महाबळेश्वर सैल हांच्या वेंचीक कांदबऱ्यांचो अभ्यास Study of Mahabaleshwar Sail's Selected Novels | 02 |
| 9. | KON - 629 | वेवसायीक तियात्र: एक अभ्यास Study of Commercial Tiatr | 02 |
| 10. | KON - 630 | संपर्क माध्यमांचो अभ्यास Media Study | 02 |
| 11. | KON - 631 | सर्जनशील लेखन Creative Writings | 02 |

Programme : M. A. (Konkani)

Course code :KON - 621

Title of the course : साहित्यांत स्त्रीवादाची संकल्पना (Concept of Feminism in Literature)

Number of Credits : 04

Effective From AY: 2023- 2024

| | | |
|-------------------------------|---|--|
| Prerequisites for the Course: | विद्यार्थ्यांक स्त्रीवादा विशीं थोडीभोव म्हायती आसची. | |
| Objective | 1. स्त्रीवादी साहित्याचो अभ्यास जावप. 2. स्त्रीवादी साहित्य सिद्धांताची वळख जावप. 3. स्त्रीवादी समिक्षेची परंपरा अभ्यासप. 4. स्त्रीवादी कोंकणी साहित्याची समिक्षा जावप. | |
| Content: | 1. स्त्रीवाद: अर्थ आनी व्याख्या भुमिका, प्रकार 2. जागतीक आनी भारतीय स्त्रीवादाची इतिहासीक फांटभूंय आनी वेगळेपण 3. भारतीय समाज, देवधर्म, राजकारण, कायदे आनी शिक्षणांत अस्तुरेची सुवात 4. भारतीय स्त्रीवादी लेखक – भारतीय साहित्यांत स्त्रीवादी लेखनाचो थोडे भितर नियाळ 5. कोंकणी कथेंत, कवितेंत आनी कादंबरेंत चित्रीत स्त्रीवादी साहित्य 6. स्त्रीवादाचेर साहित्य आनी फिल्म अध्ययन अ. कथा अस्तुरी - पुंडलीक नायक आ. दुर्गावतार- हेमा नायक इ. स्त्रीवादाचेर आदारीत दोन सिनेमा दाखोवन चर्चा जावची. | वरां 06 08 10 08 08 20 |
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy | व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, गटचर्चा, घरपाठ आदी. | |
| References/ readings | संदर्भ साहित्य- 1. लांडे, सुमती. (संपा.) स्त्रीवाद. श्रीरामपूर : शब्दालय प्रकाशन, 2007 2. पाटील, लिला. भारतीय स्त्री जीवन,पुणे:मेहता पब्लिकेशन हाऊस 3. नाईक, शोभा. भारतीय संदर्भांतून स्त्रीवाद, प्रभादेवी मुंबई:लोकवागमयगृह 2007 4. सिमोन द् बोव्हा (अण,) – गोखले करुणा द् सॅकॅड सॅक्स, सदाशिव पेठ पुणे: पद्मगंधा प्रकाशन. 2012 5. वेरेकर, शोभा. संपा. हिन्दी उपन्यास: नारी विमर्श, कानपूर: अभय प्रकाशन . 2018 6. नायक, हेमा. सहजिवन संघर्श समन्वय आनी प्रतिमा, वळवय गोंय: अपुरबाय प्रकाशन, 1989 | |

| | | |
|-------------------|---|--|
| | <ol style="list-style-type: none"> 7. वजरीकार, प्रकाश. <i>वज्राघात</i>, साखळी- गोंय: प्राची प्रकाशन, 2010 8. चौधरी, तनूजा. <i>साठोत्तरी लेखिकाओं का स्त्री विमर्श</i>, गोमती नगर लखनौ: बुक पब्लिकेशन्स, 2016 9. पवार, वैशाली. <i>महिलांच्या सत्तासंघर्षाचा आलेख</i>, सदाशिव पेठ पुणे: डायमंड पब्लिकेशन्स, 2012 10. साळुंखे आ. ह. <i>हिंदू संस्कृती आणि स्त्री</i>, प्रभादेवी पुणे: लोक वाङ्मय प्रकाशन, 2015 11. धोंगडे, अश्विनी. <i>स्त्रीवादी समिक्षा</i>, शनिवारपेठ पुणे: दिलीपराज प्रकाशन, 1993 12. देसाई, नीरा. ठक्कर, ऊषा. <i>भारतीय समाजातील स्त्रिया</i>, नवी दिल्ली: नॅशनल बूक ट्रस्ट, 2016 13. ज्योति, अमर. <i>महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में नारीवादी दृष्टि</i>, साकेत, नगर कानपूर: अन्नपूर्णा प्रकाशन, 1999 14. सरदेसाय, माधवी. <i>मंथन</i>, मडगांव - गोंय: जाग प्रकाशन 2012 | |
| Learning outcomes | स्त्रीवादी दिश्टीकोना फाटली भुमिका स्पश्ट जाता | |

Programme: M.A. (Konkani)

Course Code : KON - 622

Title of the Course : माहितीपट निर्मिती (Documentary Production)

Number of Credits : 04

Effective From AY : 2023- 2024

| | | |
|---------------------------------------|--|----------------------|
| Prerequisites for the Course : | 1. विद्यार्थ्यांक संगणकीय गिन्यान आसप गरजेचे. 2. विद्यार्थ्यांक चित्रपट वा लघुपट निर्मितीची आवड आसप गरजेचे. | |
| Objectives : | 1. विद्यार्थ्यांक माहितीपट निर्मिती करपाक प्रोत्साहित करप. 2. चलचित्र तयार करपाच्या तांत्रिक गजालींचें गिन्यान दिवप. 3. माहितीपट निर्मिती संदर्भांतल्यो तांत्रिक गजाली प्रत्यक्ष हाताळप. 4. कोंकणींत म्हायतीपट निर्मितीक उर्बा मेळप. | |
| | | वरां |
| Content: | 1. माहितीपट : म्हत्व आनी खाशेलपणाचेर चर्चा 2. निर्मिती-पूर्व घटक : अ. विशयाची निवड आ. विशयाचेर सखोल सोदवावर (तथ्यां एकठांय करप) इ. खर्चाचें नियोजन ई. पटकथा (script) लेखन उ. सरकार-मान्य कार्यालयांतल्यान शुटिंग करपा खातीर अधिकृत परवानगी मागप ऊ. रेकी (चित्रीकरणाच्या थळांची निवड / आराखडो तयार करप) ऋ. निर्मिती वेवस्थापन (कॅमेरामॅन- डी.ओ.पी., आर्ट दिग्दर्शक, लायट, ध्वनी, क्रेन आनी हेर तंत्रिक गजालींची तयारी करप) 3. पोस्ट प्रोडक्शन : अ. प्रत्यक्ष चित्रीकरण आ. माहितीपटाचें संपादन इ. ध्वनी नियोजन (पार्श्व संगीत) ई. माहितीपटाचें खास स्क्रिनिंग (मार्गदर्शकां खातीर) उ. माहितीपटाचें अंतीम संपादन 4. विद्यार्थ्यांक सहभागी करून 15 ते 20 मिनटां अवधीच्या माहितीपटाची निर्मिती (प्रत्यक्ष मार्गदर्शना खातीर कार्यशाळेचें आयोजन जावचें) | 05 20 15 20 |
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy | व्याख्यान, अभ्यासिका, स्वाध्याय, कार्यशाळा, गटचर्चा, माहितीपट निर्मातो आनी दिग्दर्शक हांचे कडेन वार्तालाप. | |
| References/ | 1. दान्तश, इजिदोर. कोंकणी चलचित्रां, पुणे : दान्तश पब्लिकेशन. | |

| | | |
|------------------------|--|--|
| <p>Readings</p> | <p>2010.</p> <p>2. गौतम, सुशील. <i>वृत्तचित्र लेखन एवं फिल्म तकनीक</i>, नवी दिल्ली : प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, 2016 (शक 1936).</p> <p>3. सपकाळ अनिल – ‘मराठी चित्रपटांची पटकथा’, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे</p> <p>2. जोगदेव प्रमोद – ‘प्रभावी संवाद’, दिलीपराज प्रकाशन, पुणे, प्रथमावृत्ती 15 जून 2010.</p> <p>3. कोल्हटकर संजय, कुलकर्णी प्रसाद – ‘महाराष्ट्रातील प्रसारमाध्यमे : काल आणि आज’, डायमंड पब्लिकेशन्स, पुणे, नोव्हेंबर 2009.</p> <p>4. सिन्हा कुलदीप – ‘पटकथा लेखन’, (Hindi – kindle eBook)</p> <p>5. चक्रवर्ती बाबोतोश – ‘विभिन्न प्रकार के लेखन : पटकथा लेखन’ (Hindi – kindle eBook)</p> <p>6. Martin, James R. <i>DOCUMENTARY DIRECTING AND STORYTELLING - How to Direct Documentaries and More!</i>, Independent Publishing Platform, First Edition, 2018. ISBN-10 1721679464, ISBN-13 978-1721679461.</p> <p>7. Aitken, Ian (ed.). <i>Encyclopedia of the Documentary Film</i>. New York: Routledge, 2005. ISBN 978-1-57958-445-0.</p> <p>8. Barnouw, Erik. <i>Documentary: A History of the Non-Fiction Film</i>, 2nd rev. ed. New York: Oxford University Press, 1993. ISBN 978-0-19-507898-5. Still a useful introduction.</p> <p>9. Klotman, Phyllis R. and Culter, Janet K. (Eds.). <i>Struggles for Representation: African American Documentary Film and Video</i> Bloomington and Indianapolis, IN: Indiana University Press, 1999. ISBN 978-0-253-21347-1.</p> <p>10. Nichols, Bill. <i>Representing Reality: Issues and Concepts in Documentary</i>. Bloomington, Ind.: Indiana University Press, 1991. ISBN 978-0-253-34060-3, ISBN 978-0-253-20681-7.</p> <p>11. Tobias, Michael. <i>The Search for Reality: The Art of Documentary Filmmaking</i>. Studio City, CA: Michael Wiese Productions 1997. ISBN 0-941188-62-0.</p> <p>12. Rowling, J. K. <i>Fantastic Beasts and where to find them The Original Screen Play</i>, Little, Brown Book Group, Carmelite House, 50 Victoria Embankment London, 2016.</p> <p>13. Honthaner, Eve Light. <i>The Complete Film Production</i></p> | |
|------------------------|--|--|

| | | |
|--------------------------|--|--|
| | <p><i>Handbook</i>, Taylor & Francis : 2013 (Third Edition).</p> <p>14. Proferes, Nichols. <i>Film Directing Fundamentals: See Your Film Before Shooting</i>, Focal Press : 2004 (Second Edition).</p> <p>15. Syd Field – ‘Screenplay: The Foundations of Screenwriting’, 29 November 2005 (eBook Available)</p> <p>16. John Costello – ‘Writing a Screenplay: The Pocket Essential Guide’, Summersdale Publishing, Mar 2016 (Audio Book available)</p> <p>8. Geoffrey D Calhoun – ‘The Guide for Every Screenwriter’, we fix your script, 5th March 2019.</p> | |
| Learning Outcomes | <ol style="list-style-type: none"> 1. माहितीपट करपाची तंत्रीक म्हायती. 2. माहितीपट निर्मितीचें प्रत्यक्ष गिन्यान. 3. कोंकणी माहितीपट निर्मिती. | |

Programme : M. A. (Konkani)

Course code : KON - 623

Title of the Course : पाश्चात्य काव्यशास्त्राचो अभ्यास (Study of Western Poetics)

Number of Credits: 04

Effective From AY : 2022 - 2023

| | | |
|---------------------|--|---|
| Objectives : | <ol style="list-style-type: none">1. विद्यार्थ्यांक पाश्चात्य (अस्तंती) काव्यशास्त्राची वळख घडटली.2. विद्यार्थी पाश्चात्य (अस्तंती) विचारधारा समजतले.3. पाश्चात्य काव्य संकल्पनांची वळख जातली.4. कोंकणी काव्याच्या अभ्यासाक शास्त्रीय बसका मेळटली | |
| | | वरां |
| Content: | <ol style="list-style-type: none">1. पाश्चात्य (अस्तंती) काव्य शास्त्र : विकास क्रम :<ul style="list-style-type: none">- ग्रीक काव्यशास्त्र - रोमी काव्यशास्त्र- काळखी यूग – पुनर्जागरण यूग- नवशास्त्रवादी यूग / नव अभिजात यूग – स्वच्छंदतावादी यूग- आधुनीक समिक्षेची विचारधारा.2. प्लेटो (427 इ.स.प. - 347 इ.स.प.) :<ul style="list-style-type: none">- एथेन्साचो इतिहास- प्लेटोचे काव्याचेर आशिल्ले आक्षेप- काव्य, दैवी प्रेरणा, सत्या पासून पयस, अनुकरण, काव्य सृजन प्रक्रिया- काव्य आनी नैतिकता, भावना, बौद्धीक विकास, उपेग, काव्याचें प्रयोजन3. ऍरिस्टॉटल (384 इ.स.प.- 320 इ.स.प.) :<ul style="list-style-type: none">- काव्य उद्ग- कलेची व्याख्या आनी वर्गीकरण- अनुकरण सिद्धांत- त्रासदी, कॉमेडी, विवेचन (आरेख – chart)- त्रासदीचे घटक आनी त्रासदीचो हिरो (हिरो)- विरेचन सिद्धांत- त्रासदी आनी महाकाव्य – फरक4. लॉजइनस (पयलें वा तिसरें शतमान) :<ul style="list-style-type: none">- काव्याची उदात्तता- उदात्ततेची पंच-सुत्रां- उदात्तते फाटले उपघटक5. विलियम वर्डसवर्थ (ई. स 1770 - 1850 आनी सैम्युअल टैलर कोलरीज (ई. स 1772 – 1834) :<ul style="list-style-type: none">- काव्य परिभाशा – काव्य गूण – काव्य प्रयोजन- काव्य – भास कॉलरीज – वर्डसवर्थाचो समकालीन6. मैथ्यू आर्नोल्ड :- ई. स 1822 -1889<ul style="list-style-type: none">- काव्य विशय- समिक्षा आनी समिक्षेचे गूण7. टी. एस. एलियट :- ई.स 1888 - 1964<ul style="list-style-type: none">- क्लासिकवाद – क्लासिक कोण?- कला आनी निर्वैयक्तिकता – कवितेचे तीन स्वर – आंतर संबंद.8. आय. ए. रिचर्डस (1889 -1979 ई.स.) : | <ol style="list-style-type: none">0408080808080808 |

| | | |
|----------------------------|---|-----------|
| | - अर्थ आनी ताचे प्रकार - काव्य समिक्षेच्या मळार नव्या विचारांचें योगदान | |
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy | व्याख्यान, स्वाध्याय, कार्यशाळा, प्रात्यक्षिकां, गटचर्चा, सादरीकरण | |
| References/Readings | <ol style="list-style-type: none"> 1. बुडकुले, डॉ. किरण. <i>पश्चिमी समिक्षेकडेन इश्टागत</i>, पणजी : राजहंस वितरणा, १९९८. 2. खांडेकार, प्रा.भालचंद्र. गोविलकर, डॉ. लीला. <i>पाश्चात्य साहित्यविचार</i>, पुणे : अनमोल प्रकाशन, 1989. 3. करंदीकर, गो.वि. <i>एरिस्टोटलचे काव्यशास्त्र (भाषांतर)</i>, मुंबई : मौज, 1978. 4. धायगुडे, डॉ. सुरेश. <i>पाश्चात्य साहित्यशास्त्र</i>, सिद्धांत आनी संकल्पना, पुणे. 5. भागीरथ, मिश्र. <i>काव्यशास्त्र</i>, भेलापूरवाराणसी: विश्वविद्यालय प्र. 1980. 6. निर्मला, जैन. <i>पाश्चात्य साहित्य चिंतन</i>. जगतपुरी, दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन. 1990. 7. गुप्त, गणपतिचन्द्र. <i>भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत</i>, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन, 2009. 8. मिश्र, डॉ. सभापति. <i>भारतीयकाव्यशास्त्र एवं पाश्चात्यसाहित्य चिंतन</i>, इलाहाबाद : जयभारती प्रकाशन, संस्करण, 2007. 9. Tilak, Dr. Raghukul. <i>History and Principles of Literary Criticism</i>, Rama Brothers, 2002. 10. Barry, Peter. <i>Beginning Theory: An Introduction to Literary and Cultural Theory</i>, Manchester University Press, 2002. 11. Bennett, Andrew, and Nicholas Royle. <i>An Introduction to Literature, Criticism and Theory</i>, Pearson Education Limited, 2009. | |
| Learning Outcomes | <ol style="list-style-type: none"> 1. पाश्चात्य (अस्तंती) काव्यशास्त्राची वळख जातली. 2. पाश्चात्य (अस्तंती) काव्यशास्त्राचें वेगळेपण लक्षांत येतलें. | |

Programme: M.A. (Konkani)

Course code: KON - 624

Title of the Course: भारतीय काव्यशास्त्रांतले सिद्धांत (Theories in Indian Poetics)

Number of Credits: 04

Effective from AY: 2022 – 2023

| | | |
|--------------------------------|---|-----------|
| Prerequisites for the course : | ‘काव्यशास्त्र’ हे संकल्पनेचें गिन्यान आसचें. | |
| Objectives : | 1. भारतीय काव्यशास्त्राची वळख करप. 2. भारतीय काव्यशास्त्राच्या सिद्धांताची वळख जावप. 3. भारतीय काव्यशास्त्राचे साबार आयाम विद्यार्थ्यांक कळप. 4. कोंकणी काव्याचो शास्त्रीय अभ्यास जावप. | वरां |
| Content : | 1. काव्य : व्याख्यां, कारणां आनी प्रयोजनां | 10 |
| | 2. अलंकार सिद्धांत | 10 |
| | 3. रस सिद्धांत | 10 |
| | 4. वक्रोक्ती सिद्धांत | 10 |
| | 5. ध्वनी सिद्धांत | 08 |
| | 6. रिती सिद्धांत | 08 |
| | 7. औचित्य सिद्धांत | 04 |
| | वट्ट | 60 |
| Pedagogy : | व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, गटचर्चा, गृहपाठ. | |
| References / Readings : | 1. फडके, श्री. शं. भारतीय साहित्य विचार, मडगांव, गोंय : सोशल रिसर्च इस्ट्यूट, 1997. 2. गांवकार, भालचंद्र. साहित्य एक भासाभास, फोडें, गोंय : मित्र प्रकाशन, 1998. 3. देशपांडे, गं. त्र्यं. भारतीय साहित्य शास्त्र, मुंबय : पॉप्युलर प्रकाशन, 1980. 4. अण. तडकोडकार, प्रियादर्शनी. भारतीय काव्य शास्त्र, नवी दिल्ली : साहित्य अकादेमी, 2016. 5. नगेन्द्र. रस सिद्धांत, नवी दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाव्ज, 1994. 6. मिश्र, भागीरथ. काव्यशास्त्र, भोलापूर वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन, 1980. 7. गुप्त, गणपतिचंद्र. भारतीय एव पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त, इलाबाद : लोकभारती प्रकाशन, 1997. 8. मिश्र, सभापती. भारतीय काव्यशास्त्र एव पाश्चात्य साहित्य चिन्तन, इलाबाद : जयभारती प्रकाशन, 2007. 9. राय, त्रिभुवन. भारतीय काव्य सिद्धांत एवं काव्य मीमांसा, दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, 1959. 10. बाली, तारकनाथ. भारतीय काव्यशास्त्र, नई दिल्ली : | |

| | | |
|------------------|---|--|
| | वाणी प्रकाशन, 2010. | |
| | टीप : ISA खातीर काव्यशास्त्राचीं तत्वां घेवन प्रत्यक्ष स्वरुपांत कोंकणी कवितेचो उपयोजीत अभ्यास जावचो. | |
| Learning Outcome | कोंकणी विद्यार्थ्यांक भारतीय काव्यशास्त्राचो सखोल अभ्यास जातलो. जाचो उपगे कोंकणी कव्याचो शास्त्रीय अभ्यास जावंक पावतलो. | |

| | | |
|---------------------|---|--|
| References/Readings | <ol style="list-style-type: none"> 1. दान्तश, इजिदोर. <i>कोंकणी चलचित्रां</i>, पुणे : दान्तश पब्लिकेशन. 2010. 2. Gehlawat, Ajay. <i>Reaffirming Bollywood : Theories of Popular Hindi Cinema</i>, New Delhi: SAGE Pub. Ltd, 2010. 3. Rai, Amit. <i>Untimely Bollywood</i>, New Delhi : Oxford. 2011. 4. Rowling, J. K. <i>Fantastic Beasts and where to find them The Original Screen Play</i>, Little, Brown Book Group, Carmelite House, 50 Victoria Embankment London, 2016. 5. Honthaner, Eve Light. <i>The Complete Film Production Handbook</i>, Taylor & Francis : 2013 (Third Edition) 6. Proferes, Nichols. <i>Film Directing Fundamentals : See Your Film Before Shooting</i>, Focal Press : 2004 (Second Edition) 7. पाडळकर, विजय <i>सिनेमाचे दिवस पुन्हा-</i> विजय पाडळकर, मौज प्रकाशन, 8. पानवलकर, श्री. दा. <i>शुटींग</i> मौज प्रकाशन, 9. चंदावरकर, भास्कर. <i>चित्रभास्कर</i> राजहंस प्रकाशन, पुणे. 10. Orst, Jacqueline B. <i>Cinematography for Directors – A Guide for Creative Collaboration</i>, Michale Wiese Production. 11. Mercado, Gustavo, <i>The Filmmaker’s Eye</i>, New York and London: Focal Press, Taylor & Francis Group. | |
| Learning Outcomes | <ol style="list-style-type: none"> 1. फिल्म निर्मिती करपाची तांत्रिक म्हायती. 2. फिल्म निर्मितीचें प्रत्यक्ष गिन्यान. 3. कोंकणी लघु फिल्मांची निर्मिती. | |
| Suggestions | <ol style="list-style-type: none"> 1. तांत्रिक गजाली खातीर भायल्या मार्गदर्शकाचो आदार घेवन व्याख्यान तशेंच कार्यशाळेचें आयोजन करप. 2. फिल्म निर्मिती खातीर गोंय विद्यापिठाच्या डि.ई.आय.टी चो आदार घेवप. 3. फिल्माच्या संदर्भांत मार्गदर्शन जावचें तशेंच अदीक म्हायती मेळची म्हण विद्यार्थ्यांक फिल्म महोत्सवांक वांटेकार करून घेवप. 4. विद्यार्थ्यांनी तयार केल्ल्या फिल्मांचो महोत्सव कोंकणीफिल्म क्लबाचे वतीन घडोवन हाडप. | |
| | <p>टीप :</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. दरेकी 20 गुणांच्यो 2 (दोन) ISA अभ्यासक्रमांतल्या 2 आनी 3 युनिटाचेर आदारून आसच्यो. 2. 40 गुणांची SEA पुरायपणान प्रात्यक्षीक स्वरुपाची आसतली. (सत्राच्या शेवटाक 3 ते 5 मिनटांचें लघुफिल्म विद्यार्थ्यांनी सिडी रुपांत 40 गुणां खातीर सुपूर्द करचें. तशेंच ताचे वांगडाच फिल्माची कथा आनी पटकथा टायप करून 20 | |

| | | |
|--|---|--|
| | गुणां खातीर वेळापत्रका प्रमाण थारिल्ले परिक्षेचे तारके दिसा सादर करची. | |
|--|---|--|

Programme : M.A. (Konkani)

Course Code : KON - 626

Title of the Course : गोंयच्या वेंचीक लोक नाचांचो अभ्यास

(Study of Selected forms of Goan Folk Dances)

Number of Credits : 02

Effective From AY : 2023-2024

| | | |
|--------------------------------|---|--|
| Prerequisites for the Course : | लोकवेदा विशीं गिन्यान आसप गरजेचें. | |
| Objectives : | 1. गोंयच्या लोकनाचा विशीं अभ्यास जावप. 2. लोकनाचांच्या साबार प्रकारांची वळख करप. 3. कोंकणी लोकनाचाचांचें साबार आयाम समजप. 4. साबार कोंकणी लोकनाचांच्या अभ्यासाक उर्बा दिवप. | |
| | | वरां |
| Content: | 1. लोकनाच: व्याख्या आनी संकल्पना 2. गोंयचे वेंचीक लोकनाच: अ. फुगडी आ. धालो इ. तालगडी ई. घोडेमोडणी उ. गोफ ऊ. चपय ऋ. तोणयांमेळ ल. मोरुलो एँ. मांडो ऐ. कुणबी नाच ए. मुसळनाच (वयर दिल्ले खंयचेय स लोकनाच अभ्यासचे) 3. लोकनाचाचें खाशेलपण 4. लोकनाचाचें महत्व | 06 18 03 03 |
| | वट्ट | 30 |
| Pedagogy | व्याख्यान, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, कार्यशाळा, प्रात्यक्षिकां | |
| References/Readings | 1. नायक, जयंती. लोकबींब, पर्वरी गोंय: गोवा कोंकणी अकादेमी, 1998. 2. नायक, जयंती. लोकमंथन, आमोणें केपें गोंय : राजाई प्रकाशन, 2008. 3. केरकार, पौर्णिमा. गोव्यातील धालोत्सवाचे स्वरूप. आल्ट पर्वरी बार्देश गोवा-403 521 : गोमंतक मराठी अकादमी, 2011. 4. खेडेकर, विनायक. लोकसरिता- गोमन्तकीय जनजीवनाचा समग्र अभ्यास, कांपाल पणजी गोवा- 403 001: गोवा | |

| | | |
|-------------------|--|--|
| | <p>कोंकणी अकादेमी, 1993.</p> <p>5. व्यवहारे, शरद. <i>मराठी स्त्रीगीते</i>, पुणे: प्रतिमा प्रकाशन, 1991.</p> <p>6. फडते आखाडकर, विनायक विठ्ठल. <i>लोककलानंद</i>, आखाडा, सांतइस्तेव्हं, तिसवाडी गोवा: विठ्ठल कला आणि सांस्कृतिक मंडळ, 2011.</p> <p>7. नेरूरकर, प्र. श्री. <i>कोंकणी लोकगीते</i>, नवीन प्रकाशन भवन, मुंबई: महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळ, 1988.</p> <p>8. वाकोडे, मधुकर /करोगल, सुषमा. (संपा.) <i>मौखिकता आणि लोकसाहित्य</i>, फिरोजशहा रोड, नवी दिल्ली : साहित्य अकादमी, 2008.</p> <p>9. Khedekar, Vinayak. <i>Folk Dances of Goa</i>, Bagore Ki Haveli, Gangaur Ghat, Udaipur – 313 001 :West Zone Cultural Centre.</p> | |
| Learning Outcomes | <ol style="list-style-type: none"> 1. गोंयच्या लोकनाचाची वळख जातली. 2. गोंयच्या लोकनाचां विशीं गिन्यान मेळटलें | |

टीप: विद्यार्थ्यांक प्रत्यक्ष लोकनाचाचो अणभव मेळचो म्हण अभ्यास भोंवडेचें आयोजन जावचें.

Programme : M. A. (Konkani)

Course code : KON - 627

Title of the course : दामोदर मावजो हांच्या वेंचीक कथांचो अभ्यास

(Study of selected Stories of Damodar Mauzo)

Number of Credits : 02

Effective From AY: 2023-2024

| | | |
|-------------------------------|--|----------------------|
| Prerequisites for the Course: | विद्यार्थ्यांक कोंकणी कथांची जाण आसची | |
| Objective | 1. दामोदर मावजो हांच्या कथांची वळख जावप. 2. दामोदर मावजो हांच्यो कथा अभ्यासप. 3. दामोदर मावजो हांच्या कथांचें वर्गिकरण करप. 4. दामोदर मावजो हांच्या कथांचो आशय समजुवप. | |
| | | वरां |
| Content: | 1. कोंकणी कथेचो इतिहासीक नियाळ 2. कोंकणी कथेच्या मळार दामोदर मावजो हांचें योगदान 3. दामोदर मावजो हांच्या कथांचीं खाशेलपणां 4. दामोदर मावजो हांच्या वेंचीक 8 ते 10 कथांचो खोलायेन अभ्यास. (भुरगीं म्हगेलीं तीं, गांधन, सपनमोगी, तिश्तावणी ह्या कथा झेल्यांतल्यो वेंचीक कथा) | 05 05 05 15 |
| | वट्ट | 30 |
| Pedagogy | व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, गृहपाठ, गटचर्चा. | |
| References/ readings | संदर्भ साहित्य 1. कामत, रेश्मा. पीएच. डी. प्रबंध <i>दामोदर मावजो हांच्या कथांचो मानसशास्त्रीय नदरेन अभ्यास</i> . 2018 2. शिवदास, एन. जेश्ट कथकार, कादंबरीकार दामोदर मावजो क्लासीक रेसिडेन्सी, फर्मागुडी, फोंडे : उर्बा प्रकाशन 2014 | |
| Learning outcomes | कथाकार दामोदर मावजो हांणी कथेच्या मळार दिल्ल्या भरीव योगदानाची वळख जातली. | |

7. बांदिवडेकर, चंद्रकांत. *मराठी कादंबरी : चिंतन आणि समीक्षा*. 216, सदाशिव पेठ, पुणे : मेहता पब्लिशिंग हाऊस, (प्रथमावती, मार्च 1983) व्दितियावृत्ती ऑक्टोबर, 1996.
8. काळी गंगा, केळकर, रवीन्द्र . 'स्वगत', दै. *नवप्रभा*. पणजी गोवा. दि. 18 मे 1997.
9. *सैम आनी समाज हांचे मदल्या संघर्शाचें करूणदर्शन काळी गांगा*, भावे, भूषण . *सुनापरान्त* (दिसाळें) मडगांव गोंय, ता. 20 एप्रील 1997 (पयलो वांटो) आनी 28 एप्रील 1997 (दुसरो वांटो).
10. मावजो, दामोदर. *अप्रूप, समर्थ काळी गंगा* (साहित्य नियाळ), *जाग*, वर्स: 23, आंक : 12, जुलै 1997. पा. 22-24.
11. नायक, दत्ता दामोदर. *आयाव मरण आंकवार रांडावपण आनी कादंबरीचें मोटवेंपण*. 'दत्ता नायक कॉलम', *सुनापरान्त* दिसाळें, ता. 27 जुलय 1997. पा.3.
12. बुडकुले, किरण. *दोन वाटचिन्यांच्या संदर्भांत कोंकणी कादंबरी*. *कुळागर* दिवाळी 1997. पा.15-17.
13. नायक, दत्ता दामोदर. *अदृश्ट अरण्यकांड*. 'दत्ता नायक कॉलम', *सुनापरान्त* दिसाळें, ता.19 एप्रील 1998. पा. 3 आनी 7.
14. बुडकुले, किरण. *सैलाल्या कलाविश्वांतल्यो जुंवळ्यो नवलिका*, "साहित्य नियाळ" *जाग*, वर्स: 24, आंक: 12, जुलै 1998. पा. 23-24.
15. बुडकुले, किरण. *काळी गंगा : सोंपत्या सहस्त्रकांतली काळजैती कादंबरी*, सुनापरांत (दिसाळें) 4 जुलय 1999, पा. 2 आनी 7.
15. पर्येकार, प्रकाश. *काळी गंगा कादंबरेंतलें वास्तव दर्शन*, सोद, फेब्रुवारी 2002, तॉमास स्टीवन्स कोंकणी केंद्र, आल्त पर्वरी, गोंय – 403 521. पा.73-80.
16. देसाय, नारायण. *युग-सांवार काणी इन्किजिश्नाची, इतिहास काय कल्पकताय?*, *सुनापरान्त* (दिसाळें), जून 2004.
17. गुप्ते, विश्राम. *महाबळेश्वर सैलांची युग सांवार ऐतिहासिक वेदनेचा हुंकार*, 'शब्दसोहळा', दै. *गोमन्तक*, पणजी. 15 ऑक्टोबर, 2006.
18. गुप्ते, विश्राम. *युगसांवार इतिहासीक दुःखिताचे हुणके*, *जाग*, ऑगश्ट, 2007, पा. 24-25.
19. कोमरपंत, सोमनाथ. *हावठण*: एक कारुण्योपनिषद्, *वसंत*, Vol. 731, वर्ष 67, जून 2009.
20. तेंडुलकार, एस. डी. *महाबळेश्वर सैलाची 'हावठण' : कोंकणी कादंबरी लेखनाचो एक अस्सल दुकुमेंत*, *बिम्ब*, वर्स:10, अंक : 09, सप्टेंबर 2011, पा.29-32.
21. गुप्ते, विश्राम. *खोल खोल मुळां - भावभावनांचो ज्वालामुखी*,

| | | |
|-------------------|--|--|
| | विश्राम गुप्ते. <i>जाग</i> , दिवाळी/ नातलां, 2011. पा. 35-37. | |
| Learning Outcomes | कादंबरीकार महाबळेश्वर सैल हांणी कादंबरीच्या मळार दिल्ल्या योगदानाची वळख जातली. | |

Programme: M.A. (Konkani)

Course Code: KON - 629

Title of the Course: वेवसायीक तियात्र: एक अभ्यास (Study of Commercial Konkani Tiatr)

Number of Credits: 02

Effective from AY: 2023-2024

| | | |
|-------------------------------|--|----------------|
| Prerequisites for the course: | तियात्र ह्या नाट्यप्रकाराची जाण आसची. | |
| Objective: | 1. वेवसायीक तियात्राची वळख जाप. 2. वेवसायीक तियात्राचें खाशेलपणां विद्यार्थ्यांक समजव. 3. वेवसायीक तियात्राच्या पालकावेले साबार घटक अभ्यासप. 4. वेवसायीक तियात्रिस्त घडोवपाक उर्बा दिवप. | |
| | | वरां |
| Content: | 1. वेवसायीक रंगमाचयेर तियात्राची सुरवात 2. वेवसायीक रंगमाचयेर तियात्राची उदरगत - गोंय मुक्ती आदली (सुरवेक सावन 1960 मेरेन) - गोंय मुक्ती उपरांत (1961 ते 2000 मेरेन) - 21 व्या शेंकड्यांतलो वेवसायीक तियात्र 3. तियात्राच्या वेवसायीक जैताचे घटक - दिग्दर्शक आनी कॉमेडीयन - कांतार आनी संगीत - प्रेक्षकांची ओड | 10 10 10 |
| | वट्ट | 30 |
| Pedagogy | व्याख्यानां, स्वाध्याय, गटचर्चा, परिसंवाद | |
| References/ Reading | 1. मडगांवकर, विनय. <i>तिसऱ्या सहस्रकातील भारतीय नाट्य आणि नाटककार</i> . गोवा विद्यापीठ, ताळगांव गोवा : संत सोहिरोबानाथ आंबिये अध्यासन अतिथी प्रो सं. संचालनालय, 2021 2. थळी, प्रकाश. <i>तियात्राचो इतिहास</i> , पणजी, गोंय: गोवा कोंकणी अकादेमी, 1993 3. <i>Silver Jubilee of Tiatr Competition</i> . Campal, Panaji, Goa: Goa Kala Academy, 2000. 4. Mazarello, Wilson. <i>100 Years of Konkani Tiatro</i> , Panaji, Goa : Directorate of Art And Culture, Govt. of Goa, 2000. 5. Fernandes, Andre Rafael. <i>When the Curtains Rise: Understanding Goa's vibrant Konkani Theatre</i> , Panaji, Goa: Tiatr Academy of Goa, 2010. 6. फेर्नांडीस, कॉज्मा' <i>तियात्रांत दिसपी गोंयच्या समाजाचें दर्शन</i> (पी.एच. डी. प्रबंध, गोंय विद्यापीठ, 2017 | |
| Learning Outcome | वेवसायीक तियात्र अभ्यासता. | |

Programme: M.A. (Konkani)

Course Code: KON - 630

Title of the Course: संपर्क माध्यमाचो अभ्यास (Media Study)

Number of Credits: 02

Effective from AY: 2023-2024

| | | |
|--------------------------------------|--|--|
| <u>Prerequisites for the course:</u> | विद्यार्थ्यांक मिडियाच्या स्वरूपा विशीं जाण आसची. मिडिया खातीर लेखन करपाची जाण आसची. | |
| <u>Objective:</u> | 1. भासविज्ञानीक क्षेत्र-वावराची वळख जावप. 2. क्षेत्र-वावराच्यो पद्धत अभ्यासप. 3. क्षेत्र-वावराची सखोल म्हायती दिवप 4. भासविज्ञानीक क्षेत्र-वावराचो प्रत्यक्ष वावर करप. | |
| | | वरां |
| <u>Content:</u> | 1. मिडिया: संकल्पना आनी व्याख्या 2. प्रिंट मिडिया: खबरांपत्रां, नेमाळीं 3. इलेक्ट्रॉनिक मिडिया : संपर्क आनी समाज माध्यमां अ. इ-खबरांपत्रां, नेमाळीं / ई-पत्रकारिता आ. दृक-श्राव्य रिकॉर्डिंग इ. मल्टिमिडिया सादरीकरणां ई. टी. व्ही. / दूरदर्शन उ. रेडियो ए. टेलिफोन आनी टेलिकम्युनिकेशन ओ. मोबायल औ. इंटरनेट अं. MOOC 4. नैतिकताय आनी माध्यमां 5. प्रिंट मिडिया/ इलेक्ट्रॉनिक मिडिया संदर्भात प्रत्यक्ष वावर. | 05 05 15 01 04 |
| | वट्ट | 30 |
| <u>Pedagogy:</u> | व्याख्यानां, स्वाध्याय, गटचर्चा, उजळणी, सराव, सादरीकरण, | |
| <u>References/Reading:</u> | 1. कोंकणी विश्वकोश, भाग 1, संपादक दो. मनोहरराय सरदेसाय, गोंय विश्वविद्यालय, 1999) 2. राधेश्याम शर्मा, संपा. जनसंचार हरियाणा साहित्य अकादेमी, चण्डीगढ, 1988. 3. Desmond A. D' Abreo. <i>Mass Media and You</i> , Bangalore: St. Paul Press Training School, 1994. 4. Alyque Padamsee, <i>My Exciting Years in Theatre</i> | |

| | | |
|---------------------------|---|--|
| | <p><i>and Advertising</i> Penguin Books.</p> <p>5 . Ordinary People and the Media: The deurotic turn SALE pub, ltd, California, London, India, 2010.</p> <p>6 . Voice of the people: Communication for Social changes, Culture & Communication, Madras, 1990.</p> | |
| <u>Learning Outcomes:</u> | <p>1. विद्यार्थ्यांक मिडियाचें स्वरूप बरे तरेन कळटलें.</p> <p>2. साबार मिडियां खातीर लेखन कशें करचें तें कळटलें.</p> | |

Programme : M.A. (Konkani)

Course Code : KON - 631

Title of the Course : सर्जनशील लेखन (Creative Writing)

Number of Credits : 02

Effective From AY : 2023- 2024

| | | |
|--------------------------------|--|----------------------------------|
| Prerequisites for the Course : | वाचन आनी लेखनाची आवड आसप गरजेचें. | |
| Objectives : | 1. सर्जनशील लेखन कलेक मार्गदर्शन करप. 2. सर्जनशील लेखन कलेक उर्बा दिवप. 3. कोंकणींतल्या साबार साहित्य प्रकारांक चालना दिवप. 4. कोंकणी साहित्य लेखन संस्कृती रुजोवप. | |
| | | वरां |
| Content: | 1. लेखननिर्मिती फाटलें प्रयोजन 2. साहित्य निर्मिती विशीं जेश्ट लेखकांचीं मतां 3. लेखन कलेची साधनां (वाचन, चिंतन आनी मनन) 4. लेखन प्रक्रिया 5. प्रत्यक्ष लेखन कार्यशाळा : अ. कविता आ. कथा इ. निबंद 6. संपादन आनी पुस्तक उजवाडावणेची प्रक्रिया | 01 02 02 05 15 05 |
| | वट्ट | 30 |
| Pedagogy | व्याख्यान, स्वाध्याय, गट चर्चा, परिसंवाद, कार्यशाळा | |
| References/ Readings | 1. पाटील, आनंद. <i>सृजनात्मक लेखन</i> , 36/11 धन्वंतरी सह. गृहरचना संस्था. पांडुरंग कॉलनी. एरंडवन, पुणे - 411038 : पध्मगंधा प्रकाशन, 2009. 2. केळेकार, रवीन्द्र. <i>सर्जकाची आत्मकथा</i> , प्रियोळ म्हाड्डोळ-गोंय - 403 404 : जाग प्रकाशन, 2000. 3. कालेलकर, दत्तात्रेय. <i>साहित्याची कामगिरी</i> , अहमदाबाद : नवजीवन प्रकाशन मंदिर, 1948. 4. मावजो, दामोदर, <i>भोवप्रवासी साहित्यकार</i> , जाग दिवाळी - नातलां अंक, 2009. | |
| Learning Outcomes | 1. विद्यार्थी कोंकणीच्या सर्जनशील साहित्य परंपरेक योगदान दितले. 2. कोंकणींतल्या सर्जनशील साहित्यीक उर्बा मेळटली | |

16 CREDITS

Discipline Specific Dissertation

Dissertation

Effective From AY : 2022 - 23

| Course Code : | Title of the Course : | Number of Credits | Semester |
|----------------------|---------------------------------|--------------------------|-----------------|
| KON - 650 | प्रबंधिका | 16 | IV |